नई दिल्ली। रविवार, 06 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 241/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया...
@ साहित्य केसरी अनुभूति...
@ व्यापार एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी...

विश्व केसरी खबर झरोखा

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया, ट्रैफिक पर असर पड़ा और पूरी राजधानी में आम जनजीवन प्रभावित हुआ। कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के पास पानी जमा हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। दुकानदारों में भी चिंता बढ़ गई क्योंकि बारिश का पानी आस-पास की कई दुकानों में घुसने लगा था। ग्रेटर नोएडा और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जबकि दिल्ली के कई इलाकों में भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई। मंडी हाउस के पास गोल चक्कर पर जलभराव की खबर मिली, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई और ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई।

JLR पर बढ़ा लागत और टैरिफ का दबाव

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली लग्जरी वाहन निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) बढ़ती लागत, कमजोर मांग और अमेरिका द्वारा लगाए गए आयात शुल्क जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। अब कंपनी अगले दो वर्षों में ब्रिटेन में करीब 4,000 नौकरियों में कटौती की तैयारी कर रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। 'द टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, जेएलआर सोमवार को औपचारिक रूप से छंटनी कार्यक्रम की घोषणा कर सकती है। इससे पहले कंपनी ने शुक्रवार को कर्मचारियों को बताया था कि यह कदम जल्द उठाया जाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाहन निर्माता कंपनी ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स और मर्सीसाइड के हेलवुड स्थित अपने प्लांट्स में करीब 34,000 लोगों को रोजगार देती है। इसके अलावा, कंपनी की घरेलू सप्लाई चेन के जरिए अनुमानित 1.20 लाख नौकरियों को भी समर्थन मिलता है।

यूएन के फैसले का हिमंता सरमा ने किया स्वागत, बोले- बाल विवाह के लिए समाज में कोई जगह नहीं

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा बाल विवाह के खिलाफ भारत का समर्थन करने के फैसले का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 27 नवंबर को बाल, कम उम्र और जबरदस्ती शादी को खत्म करने के लिए बाल विवाह उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी के लिए कोई जगह नहीं है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अब तो यूएन भी उस बात से सहमत है, जो हम असम में अपने पिछले कार्यकाल से ही कहते आ रहे हैं। हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी की कोई जगह नहीं है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र में शादी और जबरन शादी को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया है, जो इस बुराई को खत्म करने के वैश्विक समर्थन के तौर पर काम करेगा।

झीरम का न्याय या अधूरा इंसाफ?

13 साल बाद 10 दोषी, मगर कई सवाल अब भी अनुत्तरित

भूपेशः NIA ने लीपापोती की, षंडयंत्रकारियों को बचा रही है

विशेष संवाददाता ■ जगदलपुर

झीरम घाटी नक्सली हमले मामले में शनिवार 5 सितंबर को जगदलपुर स्थित NIA कोर्ट ने सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। इस केस में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर शनिवार को फैसला आया। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए थे।

दरअसल, 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी थी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी थी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि एनआईए ने लीपापोती का काम किया। एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम कर रही है। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। 25 मई 2013 को झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में दिग्गज कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की जान गई थी। इसमें 10 पुलिसकर्मी शामिल थे। हमले में 38 लोग घायल हुए थे।

वहीं 10 आरोपियों की पैरवी कर रहे वकील अरविंद चौधरी ने कहा कि वे फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। एक आरोपी के बेटे ने कहा कि उनके पिता को फंसाया गया है। वे नक्सली संगठन में शामिल ही नहीं थे। इस फैसले पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बस्तर जानता है कि कांग्रेस नेताओं और जवानों की हत्या राजनीतिक षड्यंत्र और सुपारी किलिंग थी। सत्ता हासिल करने के लिए हत्याएं कराई गई थीं। जिन 10 लोगों को आरोपी बनाया गया, वे बड़े नक्सली नहीं थे।

एसआईटी की जांच में षड्यंत्रों का पर्दाफाश होता। भाजपा इस मामले की तह तक ही नहीं जाना चाहती। भाजपा षड्यंत्रकारियों को बचाने का काम कर रही है।

भूपेश बघेल
पूर्व सीएम

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने झीरम घाटी हत्याकांड मामले में अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस नेता भूपेश बघेल की टिप्पणियों पर दिए अपने बयान में कहा, पांच साल तक सरकार रही, उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया? एनआईए की जांच सही साबित होने के बाद ही अदालत ने सजा सुनाई। जब जांच एनआईए को सौंपी गई थी, तब केंद्र में यूपीए सरकार सत्ता में थी।

विजय शर्मा
उपमुख्यमंत्री

रूस की प्रतिमा पर जापान नाराज, हटाने की मांग

एजेंसी ■ टोक्यो

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने शनिवार को रूस से खबारोव्स्क में लगाई गई 'वॉर विक्ट्री प्रतिमा' को हटाने की अपील की। इस मूर्ति में एक सोवियत सैनिक को 'क्रिसेंथेमम' (गुलदाउदी के फूल जैसा) निशान वाले पत्थर के खंभे या मार्कर को नष्ट करते हुए दिखाया गया है।

'क्रिसेंथेमम' का निशान जापान की पहचान माना जाता है। क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि ताकाइची का कहना है कि इसके विनाश को दिखाने वाले स्मारक को लगाना 'बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं' है।

वहीं, विदेश मंत्री ने एक बयान जारी कर कहा, 4 सितंबर को खाबरोव्स्क में लगाई गई कांस्य प्रतिमा में जापानी चिह्न को नष्ट करते दिखाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। ये प्रतिमा रचनात्मक नहीं कही जा सकती खासकर तब जब गुलदाउदी का फूल जो जापान को दर्शाता है।

भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को टी-20 एशिया कप में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में जीत के लिए सिर्फ 56 रन का टारगेट रखा है। पाकिस्तान को सस्ते में समेटने में श्री चरणी (7/3) और प्रेमा रावत (9/3) का अहम योगदान रहा।

शनिवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में 55 रन पर सिमट गई। सलामी जोड़ी के रूप में मुनीबा अली ने शवाल जुल्फिकार के साथ 4.3 ओवरों में 27 रन की साझेदारी की। मुनीबा 15 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं। उनकी इस पारी में 1 चौका भी शामिल रहा। अगले ओवर में श्री चरणी ने गुल फिरोजा (0) और जुल्फिकार (14) का विकेट भी गंवा दिया। महज 29 के स्कोर तक टीम अपने 3 विकेट

खो चुकी थी, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि 35 के स्कोर तक उसके 6 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद उम्म-ए-हानी ने एमान फातिमा के साथ सातवें विकेट के लिए 24 गेंदों में 10 रन जुटाए, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद एक बार फिर टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई।

निशु आजाद केस में गिरफ्तार स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

निशु आजाद केस में खुद को इन्फ्लुएंसर बताने वाले स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। भारद्वाज ने दावा किया था कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान उसने एक छात्र प्रदर्शनकारी के पिता से मारपीट की थी। पुलिस ने भारद्वाज को पटियाला हाउस कोर्ट के जज के घर पर पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

एक दिन पहले, दिल्ली पुलिस ने भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में हिरासत में लिया था। शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के बाद दिल्ली पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि वे आरोपी को पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और हत्या की कोशिश की धाराओं के तहत 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करेंगे। सीजेपी के इस विरोध प्रदर्शन में सांसद चंद्रशेखर, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव और इंडियन यूथ कांग्रेस भी शामिल हुए।

'दिमागी नक्सल' की गोली से सब बाहर निकले: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए 2013 के संकटों की तुलना आज के सशक्त भारत से की। लाल किले से अपने पिछले स्वतंत्रता दिवस संबोधन का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल कर आलोचकों को 'होम्योपैथिक गोलियां' दी थीं।

पीएम मोदी ने कहा, 'होम्योपैथिक इलाज में थोड़ी देर के लिए बीमारी बढ़ती ही है। जैसे ही मैंने यह गोली दी, सारे दिमागी नक्सल बाहर निकलने लगे। लेकिन जनता उनका असली रंग देख रही है।' विरोधियों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने देश में दो तरह के लोगों

का जिक्र किया। एक वो जो समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में सकारात्मक रूप से बदलते हैं। दूसरे वो जो हर मुद्दे पर 'नाराज फूफा' बन जाते हैं।

उन्होंने कहा, 'उनका एक ही डायलॉग है: इसकी क्या जरूरत है? जब हम दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति बना रहे थे, तो उन्होंने कहा, इसकी क्या जरूरत है? बुलेट ट्रेन, यूपीआई, चिप, नई संसद को लेकर भी उन्होंने यही कहा। जब हमने देश के लिए जान देने वाले सेना के वीरों के लिए स्मारक बनाया, तो फिर फूफा जी मैदान में आ गए। लेकिन ऐसे फूफाओं को भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने छात्रों से कहा कि देश अब 2014 से पहले की तुलना में आर्थिक और सामाजिक रूप से कहीं अधिक सुरक्षित है। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं आपको पुराने दिनों में ले जाना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, '2013 की केदारनाथ आपदा याद कीजिए, जिसने पूरी सरकार को हिला दिया था।

2008 में बैंकिंग संकट आया था, जिसने भारत की बैंकिंग व्यवस्था को तबाह कर दिया था। 2008 में ही मुंबई में आतंकवादी हमला हुआ था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की।' उन्होंने कहा कि उनकी अपनी सरकार ने भी पिछले छह वर्षों में कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान संघर्ष सहित बड़े संकटों का सामना किया है।

पीएम ने कहा, 'लोगों ने सोचा था कि वे मोदी को कुचल देंगे। लेकिन मेरे देश के लोगों में इतनी ताकत है कि भारत का बुरा चाहने वालों की इच्छाएं दब रही हैं।' प्रधानमंत्री ने वैश्विक व्यापार के विस्तार में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। पिछले एक दशक में लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं।

राजस्थान निकाय चुनावः 77 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, भाजपा सबसे आगे

जयपुर। राजस्थान के शहरी निकाय चुनावों में नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुल 77 उम्मीदवार पार्षद पद पर निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। उनके खिलाफ कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में नहीं बचा, इसलिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों ने सभी 77 विजेताओं को निर्वाचन प्रमाणपत्र जारी कर दिया है।

निर्वाचन आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सबसे अधिक निर्विरोध जीत हासिल की है। पार्टी के 44 उम्मीदवार बिना किसी मुकाबले के पार्षद चुने गए हैं। भाजपा की ये 44 निर्विरोध जीत कई जिलों में दर्ज हुई हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

पंजाब कांग्रेस में बड़ा बदलाव, पायलट बने प्रभारी

एजेंसी ■ बालाघाट

कांग्रेस हाईकमान ने सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया है। पायलट को भूपेश बघेल की जगह ये जिम्मेदारी दी गई है। पायलट की नियुक्ति राहुल गांधी के दौरे से पहले हुई है। बघेल को असम का प्रभारी लगाया गया है।

पंजाब के पूर्व CM चरणजीत सिंह चन्नी और उनके गुट ने बघेल के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर दोबारा ताजपोशी के बाद चन्नी गुट नाराज था।

चन्नी गुट के नेताओं के मुताबिक छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बघेल ने प्रदेश प्रभारी होने के बावजूद कांग्रेस हाईकमान को पंजाब की ग्राउंड रियलिटी की जानकारी नहीं दी।

चन्नी और उनका गुट तर्क दे रहा था कि विधानसभा चुनाव में अगर कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करना है तो वड़िंग-बघेल को हटाकर किसी मजबूत नेता को कमान सौंपी जाए। कई हफ्तों के मंथन के बाद हाईकमान को आखिरकार चन्नी गुट के आगे झुकना पड़ा।

बघेल के बाद अब अमरिंदर सिंह की कुर्सी पर भी खतरा मंडरा रहा है। पंजाब में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी महासचिव नियुक्त किए जाने पर सचिन पायलट जी का हार्दिक स्वागत है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए कांग्रेस पार्टी हाईकमान का दिल से धन्यवाद।

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं से जुड़ते हैं और राजस्थान का युवा उन्हें काफी पसंद करता है। पंजाब में भी पायलट की यूथ लीडर की छवि का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से आने वाले नेताओं को पंजाब में भाषा की समस्या आती है।

3 सितंबर को दिल्ली में कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल, राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा समेत अन्य नेताओं की बैठक राहुल गांधी की टीम से मीटिंग हुई थी। सूत्रों के अनुसार, इस मीटिंग में पंजाब में चल रही गुटबाजी पर चर्चा हुई।

गंगा, साहित्य और संस्कृति के संगम का साक्षी बना द्वितीय अंतरराष्ट्रीय दिव्य गंगा महोत्सव एवं साहित्यिक कुंभ

विश्व केसरी■

दिल्ली । दिल्ली की साहित्यकारा मंच संचालिका मनीषा आवले चौगांवकर गंगा सेवी सम्मान एवं टीजीटी साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित।

हरिद्वार, उत्तराखंड। गंगा की निर्मल धारा, साहित्य की संवेदना और सनातन संस्कृति की चेतना के संगम का साक्षी हरिद्वार में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय दिव्य गंगा महोत्सव एवं साहित्यिक कुंभ बना। दिव्य गंगा सेवा मिशन, हरिद्वार द्वारा अवधूत मंडल आश्रम के तत्वावधान में 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय आयोजन में साहित्यिक विमर्श, शोध-पत्र वाचन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, बौद्धिक सत्र, सम्मान समारोह और भव्य कवि सम्मेलन के माध्यम से गंगा संरक्षण एवं सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया गया।

आयोजन के प्रथम दिवस का शुभारंभ गरिमामय उद्घाटन सत्र से हुआ। प्रथम दिवस चार सत्रों में विभाजित रहा, जिनमें उद्घाटन सत्र के साथ नेपाली चारु विधा पर देवी पंथी के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम, 'मां गंगा एवं सनातन संस्कृति' विषयक विमर्श, शोध-पत्र वाचन हुआ।कार्यक्रम का संचालन दिल्ली की साहित्यकार एवं मंच संचालक मनीषा आवले चौगांवकर तथा मनीष कुमार ने किया।

प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक रहे। अति विशिष्ट अतिथियों में प्रो. शिशिर पाण्डेय, कुलपति, रामभद्राचार्य राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट तथा लोकपाल वर्मा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश शामिल रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मोटिवेशनल स्पीकर स्वामी आशुतोष जी महाराज एवं डॉ. विद्यासागर उपाध्याय, पार्षद, शंकराचार्य परिषद उपस्थित रहे।

द्वितीय दिवस साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों पर केंद्रित रहा। छह सत्रों में विभिन्न विषयों पर बौद्धिक विमर्श, साहित्यिक गतिविधियां, सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि स्वामी आनन्दस्वरूप महाराज, शाम्भवी पीठाधीश्वर,संस्थापक शंकराचार्य परिषद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष काली सेना रहे। अति विशिष्ट अतिथि डॉ.विद्यासागर उपाध्याय तथा आचार्य धर्मेन्द्र तिवारी, पूर्व कुलपति, आरा विश्वविद्यालय रहे।विशिष्ट अतिथियों में शिक्षाविद् प्रकाश काला, रजनीश सिंह, एचओडी शिक्षा विभाग एव उद्योग जगत से अशोक शुक्ला तथा वरिष्ठ भाजपा नेत्री रश्मि चौधरी शामिल रहीं। द्वितीय दिवस के विभिन्न सत्रों का संचालन मनीषा आवले चौगांवकर, दिल्ली, मनीष श्रीवास्तव, डॉ. शिवनाथ सिंह 'शिव', कुं. प्रवल प्रताप सिंह राणा ने किया।

समारोह में आमंत्रित अतिथियों एवं गंगा संरक्षण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को 'गंगा सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया। आयोजन समिति में राष्ट्रीय संयोजक केशव पाण्डेय, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं याज्ञिक आचार्य धीरज द्विवेदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनयपाण्डेय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, राष्ट्रीय समन्वयक एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शिवेश्वर दत्त पाण्डेय सहित अनेक पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजन समिति के सदस्यों और साहित्यकारों के सामूहिकै प्रयासों से दो दिवसीय महोत्सव ने साहित्य एवं संस्कृति को गंगा संरक्षण से जोड़ते हुए जनमानस में स्वच्छ गंगा, स्वच्छ पर्यावरण और सांस्कृतिक चेतना के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

पंचानन पाठक मेमोरियल कॉमेडी थिएटर फेस्टिवल का शानदार आगाज़-हास्य नाटक 'टूइय्या गाँव के लोग' का सफल मंचन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंचानन पाठक मेमोरियल कॉमेडी थिएटर फेस्टिवल के उद्घाटन दिवस पर हास्य नाटक 'टूइय्या गाँव के लोग' का सफल एवं प्रभावशाली मंचन शनिवार, 29 अगस्त की शाम 7 बजे एलटीजी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

लगभग एक महीने की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम रहे इस नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा। हास्य, मनोरंजन और सामाजिक संदेश से भरपूर इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। नाटक का लेखन एवं निर्देशन आलोक शुक्ला ने किया। उन्होंने स्वयं नाटक में 'दूरबीन चाचा' की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। नाटक के संगीत को मधुर और प्रभावशाली बनाने में शिब्बू गाजीपुरी जी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने संगीत देने के साथ-साथ 'बाबा' का सशक्त किरदार भी निभाया ।

एडवोकेट टेकचंद राजपूत ने ढोलक पर प्रभावशाली संगत देने के साथ-साथ नाटक की पूरी मंच सज्जा की जिम्मेदारी संभाली और 'कमजोर सिंह' के किरदार को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

निरुपमा बढ़ेरा जी ने 'टुनकी चाची' के किरदार में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को खूब प्रभावित किया। वहीं मुख्य भूमिका निभा रहीं कविता ने अभिनय के साथ-साथ वस्त्र सज्जा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें निरुपमा बढ़ेरा जी और नीतू शुक्ला जी का विशेष सहयोग रहा।

नाटक के दूसरे प्रमुख कलाकारों में संजय सिंह ने 'पहलवान सिंह', मृदुल कुमार ने 'पीएम चायवाला', विनय शर्मा ने 'शराबी' और 'बैल', योगेश शर्मा ने, इंस्पेक्टर के रोल में जीतेन्द्र सिंह ने , 'लालू साइकिलवाले', निखिल कुमार ने 'लोटा' और स्पॉट बॉय तथा अभिमन्यु चौधरी ने 'पुड्डु' के किरदारों को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया।

इसके साथ सीरियल डायरेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका में वागीश शर्मा जी और अतिरिक्त छोटी लेकिन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में डॉली सिंह और प्रताप सिंह जी ने भी अपने अभिनय से दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। नाटक की प्रकाश सज्जा की जिम्मेदारी लकी मल्होत्रा और तुषार चमोला ने ध्वनि संचालन को संभाला।

यह प्रस्तुति प्रसिद्ध रंगमंचीय संस्था 'प्रासंगिक' की थी। प्रस्तुति को सफल बनाने में प्रताप सिंह जी और निरूपमा बढ़ेरा जी ने प्रस्तुति सहायक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

असम में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई में 300 लोगों को पकड़ा गया

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम में पुलिस ने धोखाधड़ी वाले कॉल, मैसेज और वित्तीय घोटालों के जरिए लोगों को ठगने में शामिल संदिग्ध धोखेबाजों, दलालों और जालसाजों के खिलाफ पूरे राज्य में एक साथ कार्रवाई शुरू की है, जिसके तहत कम से कम 300 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य भर के पुलिस स्टेशनों में धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों और मामलों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के निर्देश पर 29 जिलों में यह ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस टीमों ने कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की और पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और संदिग्धों की जांच-पड़ताल और धोखाधड़ी की गतिविधियों में उनकी कथित भूमिका की पुष्टि के बाद अन्य गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लखीमपुर जिले में सबसे ज्यादा 15 लोगों को हिरासत में लिया गया, इसके बाद नगरबेरा में 13 लोगों को हिरासत में लिया गया।

एनआईए ने गाजियाबाद जासूसी मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनएआईए) ने गाजियाबाद जासूसी मामले में लखनऊ की स्पेशल एनआईए कोर्ट में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जार्जशीट में प्रवीण, राज वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि, ऋतिक गंगवार, समीर उर्फ शूटर, दुर्गेश निषाद, नौशाद, गगन कुमार, विवेक, शिवराज, मीरा ठाकुर और शेन इरम उर्फ महक का नाम शामिल है।

यह कार्रवाई एनआईए ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 61(2) और 152, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट की धारा 3 और 5, और यूए (पी) एक्ट की धारा 13, 17 और 18 के तहत की है। इस मामले में 5 नाबालिगों के खिलाफ विस्तृत जांच रिपोर्ट (डीआईआर) पहले ही 18 मई 2026 को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) गाजियाबाद के समक्ष जमा की जा चुकी है।

यह मामला कमिश्नरेट गाजियाबाद के कौशांबी पुलिस स्टेशन में 14 मार्च 2026 को दर्ज हुआ था। अब तक इस मामले में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जांच से यह साबित हुआ है कि आरोपियों ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ गैर-कानूनी काम और गंभीर अपराध करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। यह भी साबित हुआ है कि आह्वरोपियों ने गैर-कानूनी तरीके से बहुत जरूरी और संवेदनशील प्रतिबंधित इलाकों में घुसपैठ की। उन्होंने वहां जासूसी कैमरे लगाए और दुश्मन देश में मौजूद संस्थाओं को संवेदनशील जानकारी भेजीं।

न्यू फरक्का लाइन पर भूस्खलन से क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक का मरम्मत कार्य पूरा, परीक्षण शुरू

विश्व केसरी■

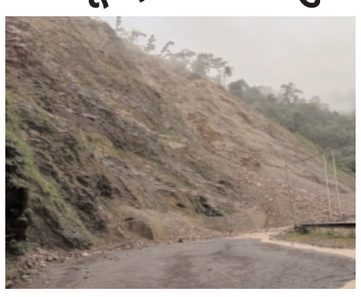

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नई फरक्का लाइन पर क्षतिग्रस्त रेलवे पटरियों की मरम्मत का काम शनिवार सुबह पूरा हो गया, जिसके तुरंत बाद परीक्षण शुरू हो गए। यह जानकारी रेलवे अधिकारियों ने दी। न्यू फरक्का लाइन की रेल पटरियों पर भूस्खलन होने के बाद पिछले कुछ दिनों में दक्षिण बंगाल को उत्तर बंगाल से जोड़ने वाली ट्रेन सेवाएं बुरी तरह से बाधित हो गईं।

हालांकि गुरुवार को आपातकालीन आधार पर मरम्मत कार्य शुरू किया गया था, लेकिन, क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण काम में बाधा आई, क्योंकि मरम्मत स्थल की मिट्टी अस्थिर और जलमग्न बनी रही। शुक्रवार रात बारिश रुकने के बाद मौसम में सुधार हुआ, जिससे मरम्मत कार्य में तेजी आई। मरम्मत का काम पूरा हो जाने और परीक्षण रन शुरू हो जाने के साथ रेलवे अधिकारियों को उम्मीद है कि शनिवार शाम तक इस मार्ग पर सामान्य ट्रेन संचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

इस घटनाक्रम से न केवल रेलवे अधिकारियों को बल्कि उन यात्रियों को भी राहत मिली, जिनकी दक्षिण बंगाल से उत्तर बंगाल और इसके विपरीत यात्रा पिछले कुछ दिनों में बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं। कुछ ट्रेनों के रूट भी बदल दिए गए। रेलवे अधिकारियों ने शनिवार सुबह स्पष्ट किया कि सामान्य रेल सेवाएं तभी बहाल की जाएंगी, जब मरम्मत का काम पूरी तरह से पूरा हो जाएगा।

'आठों छात्रों ने संस्थान को बिना बताए यात्रा की थी', केरल हादसे में कॉलेज का बयान

विश्व केसरी■

त्रिशूर। तमिलनाडु के डिंडीगुल के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की त्रिशूर के कैपामंगलम में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। संस्थान ने शनिवार को बताया कि उन्होंने कॉलेज अधिकारियों को बिना बताए यात्रा की थी। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 66 की सुरक्षा और उस पर भारी वाहनों की पार्किंग को लेकर सवाल उठाए। कॉलेज अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दुर्घटना और छात्रों की मौत की जानकारी केरल पुलिस द्वारा शनिवार तड़के संपर्क किए जाने के बाद ही मिली। चूंकि संस्थान में छुट्टी थी, इसलिए माना जा रहा है कि छात्रों ने निजी तौर पर यात्रा का आयोजन किया था। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से एक छात्र, संतोष, कॉलेज के छात्रावास में रहता था, लेकिन यात्रा में शामिल होने से पहले वह घर चला गया था। कॉलेज के प्रतिनिधि और पीड़ितों के रिश्तेदार त्रिशूर के लिए रवाना हो चुके हैं। कॉलेज अधिकारियों ने बताया कि काइफा मंगलम में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर आधी रात के आसपास हुई दुर्घटना में आठ युवकों की मौत हो गई। ये हादसा तब हुआ जब उनकी कार एक खड़े ट्रक से टकरा गई।

केंद्रीय फंड का हवाला देने पर भाजपा ने सीएम शिवकुमार पर उठाए सवाल, कहा- कर्ज माफी को केंद्र के फंड से जोड़ना भ्रामक

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक में किसान कर्ज माफी को लेकर सियासत तेज हो गई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोका ने शनिवार को मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की आलोचना की। आर. अशोका ने आरोप लगाया कि सीएम शिवकुमार किसानों के कर्ज माफी की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर डाल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार खुद पहल कर किसानों का कर्ज माफ करे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आर. अशोका ने सवाल उठाया कि जब किसान कर्ज माफी मांग रहे हैं तो केंद्र की तरफ उंगली उठाना कैसा शासन है।

उन्होंने कहा, 'पहले राज्य सरकारों ने, जिनमें कर्नाटक में आपकी अपनी पार्टी की सरकारें भी शामिल हैं, जरूरत पड़ने पर किसानों का कर्ज माफ किया था और उनकी मदद की थी। लेकिन आज जिम्मेदारी से बचने के लिए केंद्र की ओर इशारा करना शर्मनाक है। आर. अशोका ने सरकार को उसके 2023 विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में किए गए वादों को लेकर भी घेरा। उन्होंने पूछा कि वादे के अनुसार 1.50 लाख करोड़ रुपए के 'कृषि सर्वोदय निधि' और 5,000 करोड़ रुपए के स्थायी प्राकृतिक आपदा कोष का क्या हुआ। उन्होंने कांग्रेस के उस वादे पर भी सवाल उठाया जिसमें 3 लाख से 10 लाख रुपए तक के ब्याज मुक्त कृषि ऋण देने की बात कही गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया, ट्रैफिक पर असर पड़ा और पूरी राजधानी में आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

कनॉट प्लेस में आउटर सर्कल के पास पानी जमा हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पंप लगाने पड़े। दुकानदारों में भी चिंता बढ़ गई क्योंकि बारिश का पानी आस-पास की कई दुकानों में घुसने लगा था।

ग्रेटर नोएडा और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जबकि दिल्ली के कई इलाकों में भी अच्छी-खासी बारिश दर्ज की गई। मंडी हाउस के पास गोल चक्कर पर जलभराव की खबर मिली, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हुई और ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई।

तुगलकाबाद गांव की मुख्य सड़क पर भी ऐसे ही हालात दिखे, जहां जमा बारिश के पानी की वजह से गाड़ियों की आवाजाही में रुकावट आई। राजधानी के कई अन्य हिस्सों में भी दिन भर जोरदार बारिश होती रही।

शुक्रवार को दिल्ली में हुई भारी बारिश के एक दिन बाद फिर से बारिश हुई। इस बारिश ने शहर भर में जन्माष्टमी के जश्न में खलल डाला और कई श्रद्धालुओं को अचानक हुई बारिश से परेशानी का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश: राहत बचाव दलों ने बाढ़ में फंसे लगभग 3000 लोगों को सुरक्षित निकाला

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़े हिस्से में बारिश का दौर जारी है और नदी नाले भी उफान पर हैं। बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी हुआ है, मगर राहत और बचाव दलों ने मुसीबत में घिरे 3000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है।

सीएम मोहन यादव ने भोपाल स्थित होमगार्ड कार्यालय के एसडीआरएफ स्टेट कमांड सेंटर पहुंचकर प्रदेश में अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न जिलों में बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों, प्रभावित क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रशासन की तैयारियों की जानकारी ली।

उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन और संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात टीमों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अमला पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करे तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत एवं बचाव पहुंचाया जाए। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में कमोवेश पूरे क्षेत्र में बारिश का दौर बना हुआ है। पश्चिम मध्य प्रदेश को छोड़कर अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में ढेर आतंकी की पहचान एलईटी दहशतगर्द के तौर पर हुई

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को संयुक्त बलों के 'ऑपरेशन अशदार' में मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तानी नागरिक और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य के तौर पर की गई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को बताया कि बडगाम में 'ऑपरेशन अशदार' के दौरान मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के रहने वाले यासिर के तौर पर हुई है। सुरक्षा बलों के ऑपरेशन में मारे गए आतंकवादी की पहचान की पुष्टि करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आप भाग तो सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते। यह पहचान उस घटना के एक दिन बाद हुई है, जब सुरक्षा बलों ने बडगाम के अशदार गली इलाके में एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया था। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मारे गए आतंकवादी के पास से एके-सीरीज की राइफल और युद्ध में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान भी बरामद किया गया।

यह ऑपरेशन गुरुवार को तब शुरू हुआ जब पैरा-कमांडो की एक पेट्रोलिंग टीम की आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई। उन्हें वहां आतंकवादियों के एक ग्रुप की मौजूदगी के बारे में खास खुफिया जानकारी मिली थी।

राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी इस ऑपरेशन में शामिल हुए और यह पक्का किया कि घने जंगल वाले इलाके में अंधेरा होने के बावजूद छिपा हुआ आतंकवादी भाग न पाए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद शुरू होने के बाद से पिछले 36 से ज्यादा वर्षों में बडगाम जिले में कई एनकाउंटर हुए हैं। सबसे लंबा ऑपरेशन 1995 में भारतीय सेना ने चलाया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....35048..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35048
वार्ड का नाम 38 -स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715G00151 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती UJBELANAND पिता / पति श्री/श्रीमती LATE SUNDAR ATMANAND के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SURESH NAND पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LT. SUNDAR ATMA NAND ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे / निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35102..../ न. पा. नि. /
जोन क्र 6/2026
रायपुर, दिनांक 04-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35102
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR662K00015 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KAMLA BAI पिता / पति LT. RAM JI AGRWAL श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्री आदित्य अग्रवाल, 02. श्री ध्रुव कुमार अग्रवाल, 03. श्रीमति सरोज अग्रवाल पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पिता ध्रुव कुमार अग्रवाल, 02. पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल, 03. पति ध्रुव कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

असीम मुनीर की बढ़ती ताकत भी नहीं छिपा पा रही पाकिस्तान की घरेलू कमजोरियां: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को विदेशों में मिलने वाली स्वीकार्यता और समर्थन देश की घरेलू कमजोरियों को लंबे समय तक नहीं छिपा सकता। मुनीर जितने अधिक व्यक्तिगत रूप से शक्तिशाली होते जाएंगे, पाकिस्तान की सफलताएं और असफलताएं उतनी ही ज्यादा उनके नेतृत्व से जुड़ती जाएंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की आर्थिक परेशानियों को अब केवल सरकार की समस्या कहकर नहीं टाला जा सकता। वहीं, आंतरिक सुरक्षा में नाकामियों के लिए भी केवल नागरिक प्रशासन को दोष देना मुश्किल होता जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सेना का प्रभाव बहुत व्यापक है।

'वन वर्ल्ड आउटलुक' की रिपोर्ट में कहा गया है कि राजनीतिक दमन भी अब धीरे-धीरे उस सेना प्रमुख से जुड़ता जा रहा है, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अभी भी आर्थिक रूप से सीमित और राजनीतिक रूप से बंटा हुआ देश बना हुआ है। स्थिरता की छवि पेश करने के लिए वह लगातार कठोर उपायों पर निर्भर होता जा रहा है। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में उग्रवाद अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के साथ पाकिस्तान के रिश्ते आधिकारिक बयानों में जितने अच्छे दिखाए जाते हैं, वास्तव में उतने नहीं हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में होने के बावजूद राजनीतिक प्रभाव बनाए हुए हैं। इसके अलावा, सेना के भीतर लिए गए कुछ फैसले असंतुष्ट जनरलों की संख्या बढ़ा सकते हैं, जो असीम मुनीर के लिए चिंता का कारण बन सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना की ताकत पाकिस्तान की राजनीति को प्रभावित कर सकती है, लेकिन वह देश की बुनियादी समस्याओं को नहीं बदल सकती।

रिपोर्ट में कहा गया, 'आर्थिक स्थिरता की चर्चाओं के बावजूद पाकिस्तान अब भी बाहरी वित्तीय सहायता, विदेशों से आने वाले धन (रेमिटेंस) और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं व मित्र देशों की मदद पर काफी हद तक निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष लगातार सुधारों की मांग कर रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में बार-बार संकट पैदा करने वाली मूल कमजोरियां अब भी मौजूद हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा क्षेत्र में सर्कुलर कर्ज अब भी बहुत बड़ा है। करदाताओं का दायरा पर्याप्त नहीं है। निर्यात में विविधता की कमी है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश देश की जरूरतों के मुकाबले कमजोर बना हुआ है। सरकारी उपक्रम लगातार संसाधनों पर बोझ बने हुए हैं। वहीं, प्रशासनिक समस्याओं के कारण सुधारों को लागू करना उनकी घोषणा करने से कहीं ज्यादा मुश्किल है।

मक्का समझौते में शामिल होना बांग्लादेश के लिए ठीक नहीं : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

ढाका। पाकिस्तान-सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते में बांग्लादेश के शामिल होने की अटकलों के बीच, एक रिपोर्ट ने उसे सतर्क रहने की सलाह दी है। चेतावनी दी गई है कि इस गठबंधन में शामिल होने से देश ऐसी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं में फंस सकता है जो उसके राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं होगी।

बांग्लादेशी दैनिक 'द डेली ऑब्जर्वर' की एक रिपोर्ट कहती है कि किसी भी जंग में शामिल होने से पहले देश को सौ बार सोचने की जरूरत होगी। बांग्लादेश के सामने चुनौती बड़ी है। उसे फैसला करना है कि क्या वह किसी दूसरे देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बने या अपनी सुरक्षा प्राथमिकताएं खुद तय करे? उसे अपनी समझ-बूझ नहीं खोनी चाहिए और न ही खुद को किसी 'खतरनाक जाल' में फंसने देना चाहिए।

रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है, 'जब कोई देश किसी सैन्य गठबंधन में शामिल होता है, तो वह सिर्फ किसी दस्तावेज पर दस्तखत नहीं करता; बल्कि अपने भविष्य के कुछ फैसले दूसरों के हाथों में सौंप देता है। पहली नजर में, ऐसी व्यवस्था दोस्ती, भाईचारे, आपसी सहयोग और सामूहिक सुरक्षा का भरोसा दिलाती हुई लग सकती है। लेकिन गहराई से देखने पर मुश्किल सवाल खड़े होते हैं। इसलिए, बांग्लादेश को 'मक्का जॉइंट डिफेंस' समझौते में शामिल करने पर हो रही बहस सिर्फ कूटनीतिक शिष्टाचार का मामला नहीं है। यह देश की सुरक्षा, संप्रभुता, अर्थव्यवस्था और लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति से जुड़ा मामला है।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'एक मुस्लिम-बहुल देश होने के नाते, बांग्लादेश को स्वाभाविक रूप से सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग का विचार आकर्षक लग सकता है।

राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के व्यक्तिगत संबंध अच्छे, भारत-रूस के लिए ये अहम: रूसी उप महावाणिज्यदूत

विश्व केसरी■

मुंबई। रूस के उप महावाणिज्यदूत अलेक्जेंडर फुर्सोव के अनुसार दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों का महत्वपूर्ण आधार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं। मुंबई में ग्लोबल इम्पैक्ट फोरम 2 (सिविलाइजेशनल लेगेसी) का आयोजन किया गया है। यहीं पर आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

फुर्सोव ने कहा, 'राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच अच्छे व्यक्तिगत संबंधों को भी भारत-रूस संबंधों की मजबूती का एक महत्वपूर्ण आधार हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद आमतौर पर द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक प्रगति देखने को मिलती है।'

फोरम में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि संस्कृति, विरासत और सभ्यतागत आदान-प्रदान पर चर्चा कर रहे हैं। इसे भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट पावर फेस्टिवल कहा जा रहा है। कार्यक्रम में आयुर्वेद, पारंपरिक चिकित्सा, नृत्य, संगीत, सिनेमा और आदिवासी परंपराओं पर पैनल चर्चा और कार्यशालाएं हो रही हैं। करीब 500 प्रतिनिधि इसका हिस्सा बने हैं। यहीं पर रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को भारतीयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई है। रूस के उप महावाणिज्यदूत अलेक्जेंडर फुर्सोव ने कहा कि प्रदर्शनी के जरिए सेंट पीटर्सबर्ग के इतिहास को वास्तुकला, साहित्य, जीवटता और अंतरराष्ट्रीयता के चार आयामों में प्रस्तुत किया गया है।

सेंट पीटर्सबर्ग प्रदर्शनी का एक विशेष पहलू भारत के साथ शहर के ऐतिहासिक संबंध भी है। फुर्सोव ने बताया, 'वर्ष 2027 में सेंट पीटर्सबर्ग और मुंबई के बीच सिस्टर-सिटी संबंधों की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होंगे। इसी पृष्ठभूमि में प्रदर्शनी के माध्यम से भारतीय पर्यटकों के लिए सेंट पीटर्सबर्ग को एक नए और आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।'

खार्ग द्वीप के पास ईरानी तेल टैंकर पर हमला तेहरान का अमेरिका पर आरोप, बढ़ा तनाव

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान के प्रमुख तेल टर्मिनल खार्ग द्वीप के आसपास शनिवार को कई धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरान की मीडिया ने इसकी जानकारी दी। हालांकि धमाकों के स्रोत की तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक धमाकों की आवाज सुनाई दी, लेकिन घटनास्थल के ऊपर धुआं दिखाई नहीं दिया। वहीं, ईरानी समाचार एजेंसी एसएनएन ने दावा किया कि खार्ग द्वीप के पास एक ईरानी तेल टैंकर को अमेरिका ने निशाना बनाया।

प्रेस टीवी के मुताबिक, स्थानीय सूत्र ने बताया कि खार्ग द्वीप से करीब छह समुद्री मील दूर एक ईरानी टैंकर पर अमेरिकी बलों की ओर से चार प्रोजेक्टाइल दागे गए। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। टैंकर के चालक दल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारियों की ओर से फिलहाल टैंकर को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। घटना की परिस्थितियों और हमले की प्रकृति की जांच की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ गया है।

सोमवार को अमेरिकी सैन्य बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में लारक द्वीप पर हमला किया था, जिसमें तीन लोगों की मौत हुई। मंगलवार को खुज़ेस्तान प्रांत के अहवाज और अघाजरी के आसपास तीन स्थानों पर अमेरिकी मिसाइल हमलों में सात लोगों की मौत और आठ अन्य के घायल होने का दावा किया गया था।

इसी दिन होर्मोजगान प्रांत के कुहस्तक में एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाए जाने की बात सामने आई। बताया गया कि उस समय वहां शादी का समारोह चल रहा था। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत और 68 लोग घायल हुए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इन हमलों के जवाब में ईरान के सशस्त्र बलों ने इराक, जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे।

ईरान के खात्म अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रहती है तो ईरान की प्रतिक्रिया और अधिक व्यापक तथा गंभीर हो सकती है। ईरानी अधिकारियों ने अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग करने वाले देशों को भी इसके संभावित परिणामों की चेतावनी दी है।

बिहार में बाढ़ का कहर जारी, गंगा के उफान से कई जिलों में लाखों लोग प्रभावित

विश्व केसरी■

पटना। बिहार में गंगा समेत कई प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग के शनिवार सुबह के आंकड़ों के अनुसार गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, भागलपुर, भोजपुर, पटना, सारण और वैशाली में ही करीब 7.8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी निचले इलाकों में पानी फैलने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर के खरीक प्रखंड की राघोपुर पंचायत में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण काजीकौरैय-राघोपुर मार्जिनल बांध 23 अगस्त की रात करीब 30 मीटर लंबाई में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद पंचायत के पांच वार्डों में पानी फैल गया, जिससे करीब 5,000 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए छह सामुदायिक रसोई केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से अब तक करीब 70,600 थालियों में भोजन कराया जा चुका है। भोजपुर में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जिले के चार प्रखंडों की करीब 2.84 लाख आबादी प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से 13 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां अब तक करीब 8,300 थालियों में भोजन कराया गया है। पटना जिले में भी गंगा के बढ़ते जलस्तर ने निचले इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिले के नौ प्रखंडों में करीब 2.32 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

फिलहाल आठ सामुदायिक रसोई केंद्र चल रहे हैं, जिनसे करीब 5,900 थालियों में भोजन उपलब्ध कराया गया है। शनिवार से सात और स्थानों पर सामुदायिक रसोई केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। सारण जिले के पांच प्रखंडों में करीब 20 हजार आबादी प्रभावित हुई है। यहां एक सामुदायिक रसोई केंद्र के माध्यम से अब तक करीब 500 थालियों में भोजन कराया गया है।

पीडीए को लेकर सपा सांसद नदवी का भाजपा पर हमला बोले- अखिलेश यादव के विजन की नकल कर रही सरकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पीडीए को लेकर भारतीय जनता पार्टी के दृष्टिकोण पर समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. मोहिबुल्लाह नदवी ने उत्तर प्रदेश की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी दबे-कुचले वर्गों को साथ लेकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए जानी जाती है। अखिलेश यादव की सरकार में छात्रों को लैपटॉप, गरीबों के लिए मुफ्त एंबुलेंस और 100 नंबर जैसी जनहित की योजनाएं शुरू की गईं थीं, जिन्हें मौजूदा सरकार ने बर्बाद कर दिया।

सपा सांसद डॉ. मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा, जितने भी दबे कुचले लोग हैं, चेहा वो जिस समाज से आते हों, समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए सबको साथ लेकर, देश-प्रदेश खासतौर पर यूपी की प्रगति के लिए सकारात्मक कामों के लिए जानी जाती है। सपा और अखिलेश यादव ने अपनी हुकूमत में छात्रों और युवाओं में जज्बा पैदा हो, इसलिए लैपटॉप बांटे। 12-13 साल तक वर्तमान मुख्यमंत्री को इसका ख्याल नहीं आया। अब जब चुनाव नजदीक है, तो उनका (अखिलेश यादव) फॉर्मूला लेने की कोशिश की है, लेकिन नकल को भी अकल चाहिए होती है। वो लोग ये पूछ रहे हैं कि ये तो स्कूल बंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने एंबुलेंस की व्यवस्था गरीब और गांव के क्षेत्र के लोगों के लिए की थी। गरीब परिवार भी अपने बीमार लोगों को एक फोन कॉल करके अस्पताल तक पहुंचा देता था। इसमें उन्हें एक भी पैसा नहीं देना पड़ता था। इससे लोग बहुत सुख में तनावमुक्त थे, लेकिन इस सरकार ने उन गाड़ियों को भी बर्बाद कर दिया।इसी तरह से 100 नंबर की व्यवस्था अखिलेश यादव ने की थी। पुलिस जाती थी और पूरी मॉनिटरिंग करती थी। लोग हमें बताते थे कि कितने मामले सुलझे।

भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को उस समय में भी 20-30 हजार रुपए दिए जाते थे।

सीबीआई ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लोन फ्रॉड मामले में सुभाष चंद्रा के खिलाफ दर्ज किया केस

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सीबीआई ने लोन के लिए बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई नेट वर्थ के सर्टिफिकेट का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कारोबारी सुभाष चंद्रा और सात अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। इस वजह से एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को कथित तौर पर 1,322 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी।

आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक कदाचार से जुड़ी दंडात्मक धाराओं के तहत एफआईआर 31 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की जनरल मैनेजर नीता मेन्घानी की शिकायत पर दर्ज की गई थी। वह मुंबई के कफ परेड स्थित कंपनी के कॉर्पोरेट ऑफिस में काम करती हैं।

सीबीआई की बैंकिंग सुरक्षा एवं धोखाधड़ी शाखा ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की शिकायत पर एफआईआर संख्या आरसी0742026ई0007 दर्ज की है, जिसमें कहा गया है कि धोखाधड़ी 2018 से मुंबई और अन्य स्थानों पर घटी है।

एफआईआर में नामजद अन्य व्यक्तियों में वसंत सागर प्रॉपर्टीज, चर्चगेट, मुंबई; पंकज सुरोलिया, निदेशक, वसंत सागर प्रॉपर्टीज; पैन इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर, लोअर परेल, मुंबई; डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज, लोअर परेल, मुंबई; अमीश पंड्या, निदेशक, डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज; स्पिरिट इंफ्रापावर एंड मल्टीवेंचर्स, मुंबई; और राजीव ढोलकिया, निदेशक, स्पिरिट इंफ्रापावर एंड मल्टीवेंचर्स, मुंबई शामिल हैं। यह शिकायत लोन अकाउंट नंबर 610700003341 और लोन अकाउंट नंबर 610700003500 में कथित धोखाधड़ी से जुड़ी है, जो सुभाष चंद्र की पर्सनल गारंटी पर लिए गए थे।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की शिकायत के अनुसार, लोन अकाउंट नंबर 610700003341 में वसंत सागर प्रॉपर्टीज और पैन इंडिया इंफ्राप्रोजेक्ट्स को 500 करोड़ रुपए की लोन सुविधा दी गई थी, जबकि लोन अकाउंट नंबर 610700003500 डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज और स्पिरिट इंफ्रापावर एंड मल्टीवेंचर्स को दिए गए 480 करोड़ रुपए के लोन से संबंधित था। लोन के दो मामलों का जिक्र करते हुए।

एक समृद्ध पश्चिम बंगाल की यात्रा हमारे युवाओं के सशक्तिकरण से शुरू होती है: सुवेंदु अधिकारी

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को स्वामी विवेकानंद मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एसवीएमएस) का शुभारंभ किया है। इस दौरान सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य में यह मेधावी युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामी विवेकानंद मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एसवीएमएस) के शुभारंभ के साथ आज पश्चिम बंगाल के मेधावी युवाओं को सशक्त बनाने का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से, पश्चिम बंगाल के योग्य छात्र जो भारत और विश्व के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करेंगे, उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी, ताकि वित्तीय बाधाएं उनके सपनों को साकार करने में बाधा न बनें।

उन्होंने कहा कि क्यूएस समग्र रैंकिंग के अनुसार विश्व के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने वाले छात्रों के लिए, एसवीएमएस स्वीकृत ट्यूशन फीस और स्वास्थ्य बीमा का 100 प्रतिशत समर्थन प्रदान करेगा। प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश पाने वाले छात्रों को वस्तुनिष्ठ संस्थागत मानदंडों और रैंकिंग के आधार पर स्वीकृत ट्यूशन फीस का 100 प्रतिशत तक प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता है कि प्रतिभा, योग्यता और महत्वाकांक्षा न कि वित्तीय सीमाएं यह निर्धारित करें कि एक युवा कितना आगे बढ़ सकता है।

कहानी

संदीप पांडे शिष्य

आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय की ग्यारहवीं कक्षा का नया सत्र शुरू हुए अभी कुछ ही दिन हुए थे। और गलियारों में नई किताबों की महक, नई वर्दियों की चमक और नए सपनों की हलचल दिखाई दे रही थी। हर कक्षा में परिचय, हँसी-ठिठोली और भविष्य की योजनाओं की बातें चल रही थीं। ग्यारहवीं 'अ' की कक्षा की अध्यापिका मालिनी भी बच्चों के साथ उतनी ही सहज थीं, जितने बच्चे उनके साथ। वह केवल हिंदी नहीं पढ़ाती थीं, बल्कि बच्चों के मन की भाषा भी समझती थीं। यही कारण था कि उनकी कक्षा में अनुशासन डर से नहीं, अपनत्व से बना रहता था।

उसी दिन एक नई छात्रा का प्रवेश हुआ। नाम था सुगंधा।

मालिनी ने मुस्कराते हुए उसका स्वागत किया। पूरी कक्षा से उसका परिचय कराया और बच्चों से कहा, 'आज से यह भी हमारी कक्षा का हिस्सा है। मुझे विश्वास है कि तुम सब इसे अपने परिवार की तरह अपनाओगे।'

बच्चों ने तालियाँ बजाकर उसका स्वागत किया, पर सुगंधा के चेहरे पर कोई भाव नहीं उभरा। उसने बस हल्का-सा सिर झुकाया और अंतिम बेंच पर जाकर बैठ गई। उसकी आँखों में एक अजीब-सी उदासी थी, जैसे भीतर कोई ऐसा तूफ़ान चल रहा हो जिसे शब्दों में बाँधा ही न जा सके।

दिन बीतने लगे।

जहाँ पूरी कक्षा हँसती, खेलती और चर्चा करती, वहीं सुगंधा चुपचाप अपनी किताबों में खोई रहती। कोई उससे बात करने की कोशिश करता तो वह दो-चार शब्दों में उत्तर देकर फिर अपने खोल में सिमट जाती। धीरे-धीरे बच्चों ने भी उससे बात करना कम कर दिया। उन्हें लगा कि शायद उसे किसी से दोस्ती करना पसंद ही नहीं। लेकिन मालिनी की दृष्टि केवल व्यवहार पर नहीं, उसके पीछे छिपे कारणों पर भी रहती थी।

उन्होंने कई दिनों तक सुगंधा को ध्यान से देखा। उन्हें अनुभव हो गया कि यह रूखापन स्वभाव नहीं, किसी गहरे मानसिक आघात की परछाई है। उन्होंने कई बार सहज बातचीत करने की कोशिश की, कभी पढ़ाई के बहाने, कभी पुस्तक की चर्चा से, कभी कविता के माध्यम से। पर हर बार सुगंधा मुस्कराने की कोशिश करती और फिर चुप हो जाती।

एक दिन हिंदी की कक्षा में मालिनी ने बच्चों को विषय दिया। 'माँ की ममता'।

उन्होंने कहा, 'निबंध केवल शब्दों का संग्रह नहीं होता। उसमें अपने मन की सच्चाई भी लिखिए।'

अगले दिन लगभग सभी विद्यार्थी दो-दो पन्नों के सुंदर निबंध लिखकर लाए। किसी ने माँ के त्याग का वर्णन किया, किसी ने उनकी ममता का, किसी ने उनकी डाँट में छिपे प्रेम का।

मालिनी कॉपियाँ जाँच रही थीं। अचानक उनकी दृष्टि सुगंधा की कॉपी पर ठहर गई।

पूरे पृष्ठ पर केवल एक ही पंक्ति लिखी थी।

'माँ की ममता केवल एक वहम है।'

यह पढ़कर मालिनी का मन जैसे भीतर तक काँप उठा।

अवकाश के समय उन्होंने सुगंधा को स्टाफ रूम में बुलाया। वहाँ उस समय कोई और नहीं था। उन्होंने उसके सामने पानी का गिलास रखा और बहुत धीमे स्वर में पूछा।

'बेटी... क्या तुम्हारी माँ तुम्हें प्यार नहीं करती?'

अनुभूति

बस इतना सुनना था कि वर्षों से रोके हुए आँसुओं का बाँध टूट गया।

सुगंधा फूट-फूटकर रोने लगी।

कुछ देर बाद उसने स्वयं को संभाला और रुँधे गले से बोली।

'मेरी असली माँ तो मेरे जन्म के एक साल बाद ही चली गई थीं। पिताजी ने दूसरी शादी कर ली। बचपन से ही सौतेली माँ मुझे बोझ समझती हैं। उनके लिए मेरा छोटा भाई ही सब कुछ है। उसे ज़रा-सी चोट लग जाए तो पूरा घर परेशान हो जाता है, लेकिन मैं बीमार पड़ जाऊँ तो किसी को फर्क नहीं पड़ता।'

उसकी आवाज़ काँप रही थी।

'घर का सारा काम मुझसे करवाया जाता है। छोटी-सी गलती पर डाँट, ताने और अपमान मिलता है। पिताजी अधिकतर बाहर रहते हैं। माँ उनके कान भर देती हैं, इसलिए वे भी मुझे ही दोषी समझते हैं। मैं उसी घर में रहती हूँ, लेकिन कई बार लगता है जैसे मैं किसी अनाथालय में हूँ।'

सुगंधा की आँखों से आँसू लगातार बह रहे थे।

मालिनी ने बिना कुछ कहे उसके सिर पर हाथ फेरा। फिर उसे अपने पास बैठाकर बोलीं।

'बेटी, तुम्हारे साथ जो हुआ, वह बहुत दुखद है। किसी भी बच्चे को ऐसा जीवन नहीं मिलना चाहिए। लेकिन एक बात याद रखना।दूसरों की कठोरता को अपने स्वभाव का हिस्सा मत बनने देना।'

सुगंधा चुपचाप सुनती रही।

मालिनी ने आगे कहा।

'प्रेम में बड़ी अद्भुत शक्ति होती है। वह सबसे गहरे घावों पर भी मरहम रख देता है। हो सकता है तुम्हें घर में वह स्नेह न मिला हो जिसकी तुम अधिकारी थीं, लेकिन संसार वहीं समाप्त नहीं हो जाता। मित्र, शिक्षक और अच्छे लोग भी जीवन में अपने बनते हैं। यदि तुम सबसे कटकर रहोगी तो अपने हिस्से की खुशियाँ भी खो दोगी।'

कुछ क्षण रुककर उन्होंने मुस्कराते हुए कहा।

'और एक बात... जिस अपनत्व की अपेक्षा तुम अपने माता-पिता से करती हो, क्या कभी तुमने उन्हें अपने मन का प्रेम दिखाने की कोशिश की है? कभी-कभी शिकायतों की दीवार इतनी ऊँची हो जाती है कि उसके दोनों ओर खड़े लोग एक-दूसरे को देख ही नहीं पाते। कोई तो पहला पत्थर हटाएगा।'

ये शब्द सुगंधा के मन की गहराइयों में उतर गए।

वह सोचने लगी।सचमुच, उसने अपने चारों ओर शिकायतों का ऐसा किला बना लिया था कि किसी को अपने पास आने ही नहीं दिया। वह हर व्यक्ति को पहले से ही दोषी मान बैठी थी।

उस दिन जब वह स्टाफ रूम से निकली तो उसके चेहरे पर वर्षों बाद हल्की-सी मुस्कान थी। कक्षा की ओर जाते समय उसे लगा जैसे मन का कोई भारी पत्थर हट गया हो।

परिवर्तन धीरे-धीरे शुरू हुआ।

अब वह सहपाठियों के अभिवादन का उत्तर मुस्कराकर देने लगी। समूह-चर्चाओं में भाग लेने लगी। कुछ ही दिनों में उसकी चार-पाँच अच्छी सहेलियाँ बन गईं। उनके साथ हँसते हुए वह पहली बार स्वयं को सामान्य किशोरी की तरह महसूस करने लगी।

मालिनी मैडम से भी उसका रिश्ता केवल शिक्षक और छात्रा का नहीं रहा। जब भी मन भारी होता, वह उनके पास चली जाती। कभी कविता सुनाती, कभी अपनी उलझनें बाँटती, तो कभी चुपचाप बैठ जाती। मालिनी जानती थीं कि कई बार मौन भी सबसे बड़ी सांत्वना होता है।

लगभग एक महीने बाद सुगंधा प्रसन्न चेहरे के साथ उनके पास आई।

'मैडम,' उसने उत्साहित होकर कहा, 'घर में कुछ बदल रहा है।

'कैसे?' मालिनी ने पूछा।

'अब मैं माँ से पहले की तरह रूखेपन से बात नहीं करती। उनके काम में बिना कहे हाथ बँटाती हूँ। छोटे भाई के साथ भी प्यार से रहती हूँ। पहले तो माँ को विश्वास ही नहीं हुआ, लेकिन अब वे मुझसे थोड़ा नरम व्यवहार करने लगी हैं। कल उन्होंने पहली बार मेरे लिए मेरी पसंद की खीर बनाई... और जाते समय मेरे सिर पर हाथ भी फेरा।'

कहते-कहते उसकी आँखें फिर भर आईं, पर इस बार वे आँसू पीड़ा के नहीं, उम्मीद के थे।

लघुकथा — पेट का सवाल

सतीश राठी

'क्यों बे! बाप का माल समझकर मिला रहा है क्या?' गिट्टी में डामर मिलाने वाले लड़के के गाल पर थप्पड़ मारते हुए ठेकेदार चीखा।

'कम डामर से बैठक नहीं बन रही थी ठेकेदार जी। सड़क अच्छी बने यही सोचकर डामर की मात्रा ठीक रखी थी।' मिमियाते हुए लड़का बोला।

'मेरे काम में बेटा तू नया आया है। इतना डामर डाल कर तूने तो मेरी ठेकेदारी बंद करवा देनी है।' फिर समझाते हुए बोला,' यह जो डामर है इसमें से बाबू ,इंजीनियर, अधिकारी, मंत्री सबके हिस्से निकलते हैं बेटा। खराब सड़क के दचके तो मेरे को भी लगते हैं । चल! इसमें गिट्टी का चूरा और डाल।' मन ही मन लागत का समीकरण बिठाते हुए ठेकेदार बोला।

लड़का बुझे मन से ठेकेदार का कहा करने लगा। उसका उतरा हुआ चेहरा देखकर ठेकेदार बोला,' बेटा,सबके पेट लगे हैं। अच्छी सड़क बना दी और छह माह में गड्ढे नहीं हुए तो, इंजीनियर साहब अगला ठेका किसी दूसरे ठेकेदार को दे देंगे ।इन गड्ढों से ही तो सबके पेट भरते हैं बेटा।

(राठीजी का 1 सितंबर को स्वर्गवास हो गया. विश्वकेसरी का नमन)

गीत — जलना सीखो तुम

मोनिका डागा 'आनंद'

अंधियारे में बन प्रकाश अब,
जगमग जलना सीखो तुम,
टूट गई उम्मीद अगर तो,
हँसकर चुनना सीखो तुम।

जीवन के संघर्षों से तुम क्यों बैठे इतने उदास,
हार गए मन से तो फिर कैसे होगा तेरा विकास.
तूफ़ानों से डरकर क्यों, बैठ गए होकर निराश,
नाव तुम्हारी पार लगे, मन में हो आत्मिक प्रकाश.
दुर्दिन के मौसम में भी हिम्मत से बढ़ना सीखो तुम.

हार को दें क्यों महत्त्व कि लुट जाए मन का हुलास,
अँधकार में लुप्त हर्ष बदला खुशियों का विन्यास.
सपनों को टूटे देखा तो हुआ निराशा का फिर वास,
इक तारे के बस टूटन पर,खोई तुमने क्यों मिठास.
लक्ष्य मिलेगा किंतु भरोसा खुद पे करना सीखो तुम.

भरा सितारों से गगन बढ़ा कदम बदलो इतिहास,
दुनिया चाहे कुछ बोले, मत डिगना तू चल बिंदास.
ऐसे ही कुछ लोग हार की,मिटा सके हरदम खटास,
हुनरवान तू ढहा दीवारें, मिटा मन का हर संत्रास,
कर्म करो, हर कार्य को, संभव करना सीखो तुम.
अँधियारे में बन प्रकाश बन,
जगमग जलना सीखो तुम ।

- चेन्नई

लघुकथा — ऋण...

नंदन पंडित

'लो, यजमान! सारा कर्मकांड सम्पन्न हुआ।' पोथी को लाल कपड़े में लपेटते हुए, पुरोहित ने चालीस वर्षीय श्यामलाल से कहा।

श्यामलाल श्वेत रंग की धोती, आधी कमर में लपेटे और आधी कंधे पर ओढ़े हुए था। धोती का छोर सम्हालते हुए वह उठा।

'अरे! रे! पहले पवित्री (पैंती) तो उतार दो।' पुरोहित ने इस बार अपना स्वर ऊँचा करके कहा।

श्यामलाल अपना मुंडा सिर खुजलाने लगा था। आवाज सुनकर एकदम से चौंक गया वह और एक सहमे हुए अपराधी की भाँति तुरंत पवित्री निकाल कर पुरोहित को दे दिया।

'खड़े क्या हो? पंडितजी की विदाई करो।' पीपल के नीचे सम्पन्न हो रहे समस्त कर्मकांड पर दूर से ही दृष्टि गड़ाए हुए एक पीढ़ी दूर के, सगोत्रीय काका ने मुँह का तम्बाकू थूककर कहा।

श्यामलाल ने धोती की खूँट से दो सौ का एक मुड़ा हुआ नोट निकालकर पुरोहित की ओर बढ़ा दिया।

'यह, क्या?' काका चिल्लाए।

वह अदंक उठा। घबराहट में नोट हाथ से छूट गया। उसकी विस्मित तथा प्रश्नाचक आँखों ने काका की ओर देखा, 'कितना?'

'कितना क्या? पचास किलो सीधा (अनाज) और पाँच हजार इक्यावन रुपए!..क्यों पंडितजी?' काका ने अपना उदार हृदय खोलकर कहा और अपने मत की पुष्टि पुरोहित से भी करा लेना उचित समझा।

पुस्तक समीक्षा

'कोहरा' : एक चेतावनी

राजेश ओझा

करुणा सागर पण्डा कृत 'कोहरा' केवल एक उपन्यास नहीं, बल्कि समकालीन समाज में व्याप्त एक गहरे सामाजिक भ्रम पर लिखी गई चेतावनी है। लेखक ने इसके प्राक्कथन में ही स्पष्ट किया है कि यह कृति घृणा के लिए नहीं, बल्कि बेटियों को एक नियोजित छल के पैटर्न से बचाने के लिए लिखी गई है। उपन्यास की सबसे बड़ी शक्ति इसकी कथा-संरचना है। कहानी की शुरुआत कोरोना काल के नांदगांव से होती है,जहाँ बड़े बाबू मुरली मनोहर दुबे का चरित्र चित्रण बहुत खूबसूरती से दो पंक्तियों में करुणा सागर पण्डा करते हैं- 'संसार में एक भोला व्यक्ति हमेशा से ही मूर्ख समझा जाता रहा है,लेकिन भोले होने का अर्थ मूर्ख होना नहीं होता...मोहन बाबू व्यवहार से सरल हैं इसलिये भोले हैं लेकिन वे मूर्ख तो कत्तई नहीं हैं।'

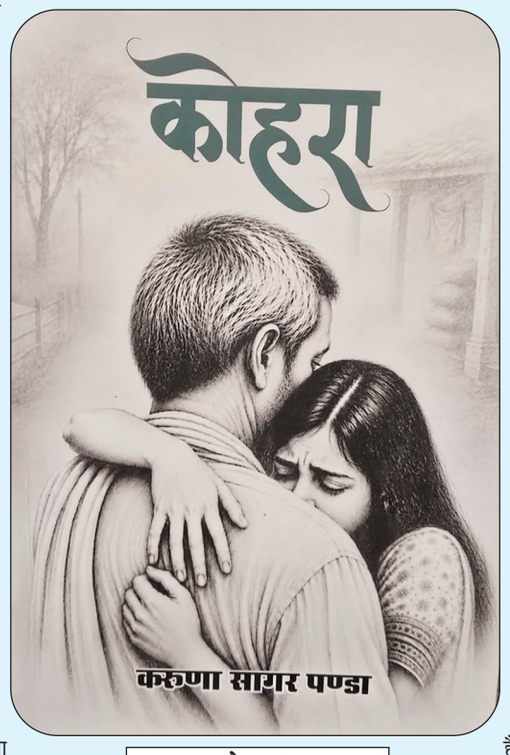

पुस्तक- कोहरा (उपन्यास)
लेखक- करुणा सागर पण्डा
प्रकाशन- सनातन लाईफस्टाइल फाऊंडेशन, दिल्ली
संस्करण-2026
मूल्य- 245 रुपये

लव जिहाद की शिकार बड़े बाबू मुरली मनोहर दुबे की बेटी सुजाता आईसीयू में जीवन-मृत्यु से जूझ रही है। इसी वर्तमान के तनाव से लेखक फ्लैशबैक में पाठक को 1997 में ले जाता है। मुरली मनोहर दुबे की पहली पत्नी सत्या की मृत्यु और बेटी सुजाता के जन्म से शुरू हुई यह कथा मोहन बाबू के दूसरी पत्नी कमला के आगमन और सुजाता-सुदर्शन के बाल्यकाल के मनोरम चित्रण तक बहुत ही आत्मीयता से आगे बढ़ती है। जब कमला कहती है- 'सुजाता की नसों में मेरी ही ममता का खून दौड़ रहा है। वह सौतेली नहीं है।' तब पाठक भावुक होने से स्वयं को नहीं रोक पाता। लेखक आगे के पृष्ठों में इसे और स्पष्ट करता है- 'रिश्ते खून के हों या न हों,पर जब ममता हाथ थामती है,तो कहाँ कोई भी बच्चा अनाथ रहता है।' साहित्यकार का मूल धर्म सिर्फ विसंगति प्रस्तुत करना नहीं होता, साथ-साथ उसका हल भी प्रस्तुत करना होता है, और इसका पालन करुणा सागर पण्डा बहुत तल्लीनता से करते दिख रहे हैं।

करुणा सागर पण्डा की दृष्टि मौलिक है। वे बिल्कुल अछूते और कोरे उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जब वे लिखते हैं- 'गाँव की किसी सीधी पगडंडी की तरह सरल कमला को आज मोहन बाबू की गृहलक्ष्मी बने दो माह पूरे हो चुके थे।' 'गाँव की पगडंडी की तरह सरल' साहित्य में बिल्कुल ताजा उदाहरण है। किताब-घर, कमला की सादगी और गाँव की पगडंडी जैसी सरलता पाठक के मन में घर कर जाती है। लेखक ने सुजाता के बचपन को जिस वात्सल्य और लोकगीतों के साथ गढ़ा है, वह उपन्यास के उत्तरार्ध में आने वाली त्रासदी को और अधिक मार्मिक बना देता है। यही 'कोहरा' का शिल्प है - पहले उजाला दिखाना, फिर उसी पर पर्दा पड़ते दिखाना।

सच्चा शब्द शिल्पी वही है जो एक कहानी से कई संदेश दे। गाँव छोड़कर परदेश में बसने वालों के लिए लेखक इस उपन्यास में बड़ा ही मार्मिक कथन करते हैं- 'मनुष्य जहाँ पैदा होता है,वहाँ उसकी ऊर्जा का एक अंश हमेशा के लिए छूट जाता है कमला! वह व्यक्ति शहर आकर बस तो जाता है लेकिन गाँव में छूटा हुआ उसका वह अंश हमेशा उसे पुकारता ही रहता है।' मुरली मनोहर दुबे गाँव से जुड़ी अपनी तमाम स्मृतियों के हवाले से कहते हैं-' मुझे इस शहर ने नौकरी, पहचान,मकान सबकुछ दिया कमला! लेकिन उसके बदले इसने धीरे-धीरे मुझसे मेरे भीतर का गाँव छीन लिया रे! एकबार मैं भी गाँव हो आना चाहता हूँ । 'इस उपन्यास में जब लेखक लिखता है- ' पति को घर लौटने में देरी हो जाए तो पश्चिम की संस्कृति में पत्नी अपने पति के चरित्र पर शंका करती है लेकिन विशुद्ध भारतीय संस्कृति में पत्नी के प्रश्न पर पति के लिए फिक्र का भाव होता है। ' या जब वे लिखते हैं-' प्रश्न और जिज्ञासा में अन्तर होता है। प्रश्नकर्ता को उत्तर पहले से पता होता है लेकिन जिज्ञासा? जिज्ञासा की आग जब सुलगती है,तो सुकून की नींद भी खाक हो जाती है।

व्यंग्य

हल्ला मचाओ !

पूरन सरमा

हल्ला मचाने वाले के बेर बिकते हैं। चीख जितनी तीखी होगी, असर उतना ही पुरजोर से होगा। वैसे भी जिधर देखो उधर शोर हो रहा है। ध्वनि प्रदूषण से न संसद बच पा रही और न राज्यों की विधानसभायें। हल्ला मचाकर बात मनवाना हमारी नयी कल्चर है। जो लोग चीख नहीं पाते, वे कमजोर और दब्बू हैं। हमारे राजनेता इस मामले में सबसे अग्रणी हैं। सारे ऐब व दोषी पाये जाने के बाद में भी इतना चीखते हैं कि उनके अपराध गंगाजल की तरह पवित्र हो जाते हैं। वे बेवकूफ थोड़े ही हैं, जो बेकार में चीखेंगे। हल्ला मचाकर वे किसी सरकार को गिरा सकते हैं अथवा अपनी बेसुरी चिल्ल-पों से किसी का इस्तीफा झटक लेते हैं। किसी की जांच करवानी हो तो हल्ला मचाओ, किसी विधेयक को पास नहीं करवाना हो तो हल्ला मचाओ, तिल का ताड़ बनाना हो तो हल्ला मचाओ, उनकी मनचाही न हो तो हल्ला मचाओ, संसद या विधानसभा की कार्यवाही ठप्प करनी हो तो हल्ला मचाओ, सत्तापक्ष को नहीं सुनना हो तो हल्ला मचाओ और खुद पर आंच गिर रही हो तो हल्ला मचाओ। कुल मिलाकर काम न तो करो न करने दो और खामख्वाह हल्ला मचाओ। चुनाव में जीत जाओ तो हल्ला मचाओ और हार जाओ तो हल्ला मचाओ। सरकार को एक काम करते एक महीना हो जाये तो हल्ला मचाओ, सरकार की विफलताओं को लेकर हल्ला मचाओ।

उलटा-सीधा बयान मुंह से निकल जाये तो हल्ला मचाओ, महिला आरक्षण विधेयक में कमी हो तो हल्ला मचाओ, गरीबों के लिए कोई योजना शुरू करो तो हल्ला मचाओ, अच्छा बजट बना हो तो हल्ला मचाओ, मंत्री नहीं बनाओ तो हल्ला मचाओ, मुख्यमंत्री बनते-बनते रह जाओ तो हल्ला मचाओ, मनपंसद जांच आयोग न हो तो हला मचाओ और जब तक रिर्पोट नहीं आ जाये तब तक हल्ला मचाओ।

अयोध्या का मामला हो तो हल्ला मचाओ, राममंदिर बनाना है तो हल्ला मचाओ। सद्भाव की बात करो तो हल्ला मचाओ और चुनाव की मारा-मारी चल रही है तो हल्ला मचाओ। यानि एक सूत्री अभियान बचा है और वह है हल्ला मचाओ।

मेरे घर में भी हालात यही हैं। बच्चा जवान हो गया है, कुछ तो वह कामचोर है और प्रमादी है। काम-काज करने की कहो तो हल्ला मचाने लगता है और हल्ला मचाकर वह अपनी बेजा बात मनवा लेता है। रोटी-सब्जी खायेगा तो उनको बेस्वाद बताकर हल्ला मचायेगा। नहायेगा, धोयेगा, खायेगा, पीयेगा, सोयेगा, जागेगा कुछ भी करेगा उससे पहले हल्ला जरूर मचायेगा। घर में पढ़ने की कहो तो हल्ला मचाओ, अच्छी संगत में बैठने की कहो तो हल्ला मचाओ, सावधानी से रहने की कहो तो हल्ला मचाओ।

मोबाइल फोन, टी.वी., फ्रिज, सोफा, गाड़ी, ए.सी., कम्प्यूटर, डी.वी.डी. एक नहीं सैंकड़ों मांगे हैं, जिनके लिए कुछ मत करो-केवल हल्ला मचाओ। घर की समस्याओं पर विमर्श करो तो हल्ला मचाओ। यानि घर क्या है-बस कोहराम घर है।

इघर पत्नी को लो-उससे कोई बात करो वह रोना-पीटना शुरू कर देती है। उससे कहा थोड़े दिन पीहर चली जाओ तो हल्ला मचाती है। कुछ भी लेकर आओ तो हल्ला, नहीं लेकर आओ तो हल्ला, दफ्तर से देर से आओ तो हल्ला, आराम से बैठ जाओ तो हल्ला, बिजली-पानी को बिल आ जाये तो हल्ला, अखबार का बिल आ जाये तो हल्ला, भगवान के सामने हाथ जोड़कर श्रद्धा नहीं दिखाओ तो हल्ला, कोई मित्र आ जाये तो हल्ला, साले के बारे में कोई रोचक टिप्पणी कर दो-(जिसका कि वह हकदार है) तो हल्ला, वेतन देरी से मिले तो हल्ला, बूढ़े माता-पिता की थोड़ी बहुत सार-संभाल करलो तो हल्ला। बस कुल मिलाकर हल्ला ही हल्ला।

124/61-62, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302 020, मोबाइल-9828024500

ग़ज़ल — जाएँ तो कहाँ जाएँ?

स्वराज्य करुण

आँखों में धूल झोंक कर महान बन रहे हैं ,
बताओ कहाँ लोग अब इंसान बन रहे हैं !
साधुओं के मुखौटों में है भीड़ यहाँ भारी ,
शैतान सफेदपोश सब भगवान बन रहे हैं ।
गिरा नहीं जिनका कभी खेतों में पसीना ,
आराम- तलब फर्जी किसान बन रहे हैं ।
लूट की दौलत का खूब चमत्कार देखिए ,
भवन उनके खूब आलीशान बन रहे हैं ।
छतों पे उनके होने लगी वादों की नई खेती,
धरती पे बिछे खेत सब खदान बन रहे हैं ।
जाएँ तो कहाँ जाएँ उजड़कर हमारे गाँव,
हर तरफ शहर वालों के मकान बन रहे हैं ।
कौन सुने यहाँ कहो उन बस्तियों का दर्द
बुलडोजर संग लोग जहाँ हैवान बन रहे हैं ।
उनके लिए तो है मौज -मस्ती का मौसम,
ग़रीबों के घर -आंगन बियाबान बन रहे हैं ।

पिथौरा, जिला -महासमुंद(छत्तीसगढ़)

नवगीत — पानी के किवाड़

अशोक आनन

खोल रहा असाढ़ -
पानी के किवाड़ ।
आसमां से -
आईं बूंदें ज़मीं पर ।

वे बहुत रोईं -
पानी की कमी पर ।
बोलीं - पानी से -
देख रहे उजाड़ ।

कुएं , नदियां, ताल -
हैं कितने प्यासे ।
पियास से उनकी -
टूट रहीं सांसें ।
पानी ! उनके दिन -
और न बिगाड़ ।

जेठ मास है -
तुम कहां हुए फ़रार ।
पथ जोहे सूखा -
आंखें फ़ाड़ - फाड़ ।
चले गए तम्बू -
डेरा तुम उखाड़ ।

मावठे ने कभी -
दिखाया नहीं मुंह ।
देख दशा भू की -
कांपी नहीं रुह ।
अनमने समुन्दर -
उदास हैं पहाड़ ।

11/82 , जूना बाज़ार ,
मक्सी
जिला शाजापुर (म.प्र.)
पिनकोड - 465106
मो. - 9977644232
Email : ashokanan-maksi@gmail.com

'मानव मस्तिष्क की शक्ति पर भरोसा रखें, सीखना कभी न छोड़ें,' ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी चेन्नई में बोले नौसेना प्रमुख

विश्व केसरी

चेन्नई। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी चेन्नई की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने युवा सैन्य अधिकारियों से कहा कि बदलती चुनौतियों के दौर में उन्हें तीन वास्तविकताओं को समझना, स्वीकार करना और उनके अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पांच महत्वपूर्ण विचार भी साझा किए।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि मानव मस्तिष्क ही सबसे बड़ा हथियार है। तकनीक सूचना, गति और सटीकता प्रदान कर सकती है, लेकिन वह बुद्धिमत्ता और विवेक का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपनी सोच को किसी एल्गोरिद्म या तकनीक के भरोसे न छोड़ें, बल्कि समस्याओं का स्वयं विश्लेषण करें, अपनी धारणाओं पर सवाल उठाएं और हर दिन अपने निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत बनाएं।

उन्होंने कहा कि अंतत: बढ़त उसी को मिलेगी, जो अपने प्रतिद्वंद्वी से बेहतर सोचेगा। मानव मस्तिष्क की शक्ति की कोई सीमा नहीं होती।

नौसेना प्रमुख ने अपने दूसरे संदेश में अधिकारियों को जीवनभर विद्यार्थी बने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सैन्य पेशेवरों को लगातार अपने ज्ञान और कौशल को अपडेट करते रहना चाहिए। पद या अनुभव को कभी भी सतत सीखने का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में एक समय ऐसा आएगा जब कोई सैनिक अपने अधिकारी की ओर देखकर पूछेगा, ''अब हमें क्या करना चाहिए'' उस समय कोई पाठ्यपुस्तक, पावरपॉइंट प्रस्तुति या चैटजीपीटी मदद के लिए नहीं आएगा। उस चुनौतीपूर्ण क्षण में अधिकारी का ज्ञान, जागरूकता और अध्ययन ही उसे सही निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि प्रशिक्षण, निर्णय क्षमता, साहस और चरित्र ही असली ताकत होते हैं, इसलिए अधिकारियों को पेशेवर दक्षता बढ़ाने पर निरंतर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पढ़ने, इतिहास का अध्ययन करने, तकनीक को समझने, दुश्मन की रणनीतियों से परिचित रहने और अपने अधीनस्थों के विकास में समय और ऊर्जा लगाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकनी चाहिए।

अपने तीसरे संदेश में नौसेना प्रमुख ने कहा कि साहस एक मांसपेशी की तरह होता है, जो हर बार उपयोग करने पर और मजबूत होती जाती है। चाहे वह शारीरिक साहस हो या नैतिक साहस, अक्सर इसका अर्थ अपनी मान्यताओं और सिद्धांतों पर अकेले खड़े रहने की क्षमता से होता है।

उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में साहस अचानक प्राप्त नहीं किया जा सकता। यह समय के साथ विकसित होता है और रोजमर्रा के छोटे-छोटे निर्णयों तथा कार्यों के माध्यम से व्यक्तित्व का हिस्सा बनता है, इसलिए अधिकारियों को अपने चरित्र और साहस को निरंतर मजबूत करते रहना चाहिए, ताकि कठिन परिस्थितियों में वे सही नेतृत्व प्रदान कर सकें।

'कानून और संविधान का उल्लंघन,' सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने पर विपक्षी दलों ने जताया एतराज

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अवैध मस्जिद को गिराए जाने के बाद सियासत तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे कानून और संविधान का उल्लंघन बताया है।

आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस नेता आसिम वकार ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिलाधिकारी से पूछा कि मस्जिद को क्यों गिराया गया? जिलाधिकारी की ओर से बताया गया कि मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी थी। अगर सरकारी जमीन पर होने के कारण मस्जिद को गिराया गया है, तो जिलाधिकारी को अपने अधिकार क्षेत्र वाले पूरे जिले की सूची जारी करनी चाहिए, जिसमें यह बताया जाए कि सरकारी जमीन पर कितने धार्मिक स्थल बने हुए हैं। उनका सवाल केवल पार्कों या सड़कों पर बने धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धार्मिक स्थलों को लेकर है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर उन्होंने संविधान के तहत शपथ ली है और वे मस्जिद को सिर्फ इसलिए गिरा रहे हैं क्योंकि वह कथित तौर पर सरकारी जमीन पर बनी है, तो दूसरों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? भारत का संविधान सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों के सम्मान की बात करता है। लेकिन, कुछ लोग उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव को एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम विवाद की ओर ले जाना चाहते हैं। विकास के मुद्दों पर काम नहीं करने वाले लोग मंदिर-मस्जिद के विवाद खड़े कर चुनाव लड़ना चाहते हैं। देश का हर नागरिक भाजपा के खिलाफ और राहुल गांधी के साथ खड़ा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने भी मस्जिद गिराए जाने की कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। पहली बात तो यह कि मस्जिद आजादी से पहले बनी थी। अधिकारियों ने संविधान के खिलाफ जाकर और कानून को अपने हाथ में लेकर, भाजपा नेताओं के कहने पर कार्रवाई की। यह बिल्कुल गलत है। किसी को भी किसी दूसरे की इबादत की जगह गिराने या किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं है।

'कानून और संविधान का उल्लंघन,' सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने पर विपक्षी दलों ने जताया एतराज

पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने कहा कि मौजूदा सरकार पर मुसलमानों को निशाना बनाने के आरोप लगातार लग रहे हैं। सरकार ऐसे काम करने की कोशिश करती है ।

एमपी: भालू के हमले में 73 वर्षीय वृद्ध की मौत, इलाके में शोक

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से शनिवार को एक दुखद खबर सामने आई है। दरअसल, केशवाही वन परिक्षेत्र में भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए 73 वर्षीय वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे इलाके में शोक का माहौल है।

घटना के बाद वन विभाग ने मृतक का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही विभागीय आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी के साथ वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि भी उपलब्ध कराई गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, शहडोल जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुण्डाली गांव के कुछ चरवाहे शुक्रवार को अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान जंगल में विचरण कर रहे भालू के सामने वृद्ध चरवाहा चक्रधारी साहू आ गए। भालू ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल चक्रधारी साहू को वन विभाग ने उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज शहडोल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मामले को लेकर दक्षिण वन मंडल शहडोल के एसडीओ सोहागपुर संतोष शुक्ला ने बताया कि चक्रधारी साहू की उम्र 73 वर्ष थी और भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज शहडोल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

एसडीओ के अनुसार, वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद मृतक का अंतिम संस्कार कराया गया।

असम ने कैंसर केयर नेटवर्क का विस्तार किया, किफायती उपचार पर ध्यान केंद्रित किया: सीएम सरमा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि असम राज्य भर के मरीजों को उन्नत और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से तीन स्तरीय कैंसर देखभाल नेटवर्क के माध्यम से अपने कैंसर उपचार बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है।

सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राज्य के कैंसर केयर नेटवर्क के चल रहे विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस पहल से मरीजों को किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त करने में मदद मिल रही है, साथ ही मरीजों और उनके परिचारकों के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण सुनिश्चित हो रहा है।

उन्होंने राज्य के विस्तारित कैंसर केयर नेटवर्क के तहत अपनाए जा रहे दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में कोकराझार कैंसर देखभाल केंद्र का उल्लेख किया। तीन स्तरीय मॉडल विभिन्न स्तरों पर कैंसर उपचार सुविधाओं का एक नेटवर्क बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे मरीजों को उनके घरों के करीब देखभाल मिल सकेगी और उपचार के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

कैंसर असम और व्यापक पूर्वोत्तर में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में उभरा है, इस क्षेत्र में कैंसर के मामलों का काफी बोझ देखा जा रहा है। कई वर्षों से, असम और पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों के मरीजों को विशेष निदान और उपचार के लिए अक्सर इस क्षेत्र के बाहर के बड़े शहरों की यात्रा करनी पड़ती रही है।

इसलिए राज्य सरकार एक ऐसी वितरित कैंसर देखभाल प्रणाली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की सुविधाओं को विशेष उपचार प्रदान करने में सक्षम केंद्रों के साथ जोड़ती है। टाटा ट्रस्ट्स के साथ साझेदारी में भी इस पहल को आगे बढ़ाया गया है, जिसके तहत असम भर में कई स्थानों पर कैंसर देखभाल केंद्र विकसित किए जा रहे हैं।

व्यापक उद्देश्य रोकथाम, स्क्रीनिंग, निदान, उपचार और अनुवर्ती देखभाल को कवर करने वाली एक एकीकृत प्रणाली बनाना है, साथ ही शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए कैंसर सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का किया तबादला

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने शनिवार को राज्य प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का तबादला करते हुए उन्हें जिला पंचायतों और संबंधित प्रशासनिक भूमिकाओं में अहम पदों पर तैनात करने का नया आदेश जारी किया है। राज्य सरकार ने विकास प्राधिकरणों, कलेक्ट्रेट, चुनाव कार्यालयों और मौजूदा पंचायत पदों पर काम कर रहे अधिकारियों को कई जिलों में नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसके तहत, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के तौर पर काम कर रहे 2008 बैच के नरोत्तम प्रसाद भार्गव का तबादला हरदा जिला पंचायत के सीईओ के पद पर किया गया है। 2008 बैच के ही अखिलेश कुमार जैन धार जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद संभालेंगे। ये गुना जिले के अतिरिक्त कलेक्टर और गुना जिले के विजयपुर में गेल (इंडिया) लिमिटेड के लिए सक्षम अधिकारी की दोहरी भूमिका निभा रहे थे।

भारत दो साल में मेट्रो नेटवर्क की लंबाई में अमेरिका को पीछे छोड़ देगा: मनोहर लाल

विश्व केसरी

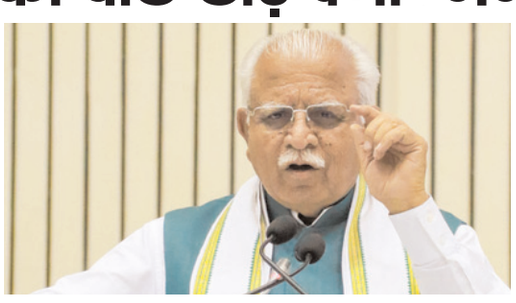

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत एवं आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि भारत अगले दो वर्षों में मेट्रो रेल नेटवर्क की लंबाई के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ सकता है।

इंदौर में विस्तारित मेट्रो रेल सेवा का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने कहा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क 26 शहरों में 1,170 किलोमीटर तक पहुंच गया है, जबकि अमेरिका में यह 1,386 किलोमीटर है।

उन्होंने कहा कि इंदौर लाइन के विस्तार के साथ, भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क 1,170 किलोमीटर तक पहुंच गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब देश अमेरिका के नेटवर्क से 216 किलोमीटर पीछे है। उनके अनुसार, मुझे लगता है कि अगले दो वर्षों में हम अमेरिका को पीछे छोड़ देंगे और चीन के बाद मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि चीन में वर्तमान में लगभग 8,000 किलोमीटर मेट्रो रेल लाइनें हैं। मंत्री के अनुसार, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था, तब पांच शहरों में 245 किलोमीटर के क्षेत्र में मेट्रो रेल सेवाएं चालू थीं। उन्होंने आगे बताया कि नेटवर्क का विस्तार 26 शहरों में 1,170 किलोमीटर तक हो चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो रेल केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को सुगम बनाने का भी एक माध्यम है और इसका विस्तार 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लक्ष्य से जुड़ा हुआ है। 2,850 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विस्तारित इंदौर मेट्रो सेवा अब गांधी नगर और मालवीय नगर चौराहा के बीच 17 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी।

पंजाब में हिरासत में मारपीट के आरोपों पर एनएचआरसी सख्त, मुख्य सचिव और डीजीपी से 2 हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पंजाब में हिरासत में मारपीट और यातना के आरोपों पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राज्यसभा सांसद तरुण चुघ द्वारा दायर शिकायत पर संज्ञान लिया है, जिसमें पंजाब पुलिस कर्मियों पर एक पीड़ित और उसके परिवार के सदस्यों के साथ हिरासत में मारपीट, यातना और अन्य गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है।

शिकायत के अनुसार, पीड़ित सुनाम के गांव शेरों में मुख्यमंत्री भगवंत मान के 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान पंजाब में नशे के मुद्दे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के तौर पर काला झंडा दिखा रहा था। इसके बाद उसे कथित तौर पर पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

मामले पर आयोग के माननीय सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने विचार किया। पीठ ने पंजाब के मुख्य सचिव, डीजीपी, एसपी संगरूर और जिलाधिकारी संगरूर को तत्काल जांच करने और दो सप्ताह के भीतर बिंदुवार एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

पीठ ने पीड़ित का तत्काल मेडिको-लीगल परीक्षण कराने, संबंधित पुलिस परिसर के सीसीटीवी फुटेज को पूरी तरह और बिना किसी छेड़छाड़ के सुरक्षित रखने और उसकी प्रमाणित कॉपी पेन ड्राइव में जमा करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को एफआईआर और हिरासत के रिकॉर्ड, हिरासत/पूछताछ से जुड़े सभी पुलिस कर्मियों का विवरण और पीड़ित के परिवार के सदस्यों से संबंधित आरोपों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया है।

यूएन के फैसले का हिमंता सरमा ने किया स्वागत, बोले- बाल विवाह के लिए समाज में कोई जगह नहीं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा बाल विवाह के खिलाफ भारत का समर्थन करने के फैसले का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 27 नवंबर को बाल, कम उम्र और जबरदस्ती शादी को खत्म करने के लिए बाल विवाह उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया है। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी के लिए कोई जगह नहीं है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अब तो यूएन भी उस बात से सहमत है, जो हम असम में अपने पिछले कार्यकाल से ही कहते आ रहे हैं। हमारे समाज में बाल विवाह या जबरन शादी की कोई जगह नहीं है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र में शादी और जबरन शादी को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया है, जो इस बुराई को खत्म करने के वैश्विक समर्थन के तौर पर काम करेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में असम की कोशिशों के शानदार नतीजे सामने आए हैं। 12,000 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, 11,000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं और 20 जिलों में बाल विवाह में 81 फीसदी की कमी आई है। साथ ही कम उम्र में गर्भवती होने के मामलों में भारी कमी आई है और महिलाओं की उच्च शिक्षा में दाखिले की संख्या बढ़ी है।' सरमा ने कहा, 'संयोग से हमने पहले ही घोषणा कर दी थी कि नवंबर के महीने में हम बाल विवाह और जबरन शादी के खिलाफ एक जोरदार अभियान चलाएंगे और सभी दोषियों को सजा दिलाएंगे, ताकि हमारी बेटियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। यूएन की इस घोषणा से पता चलता है कि असम की कोशिशें अकेले नहीं थीं। यह 3.5 करोड़ की आबादी वाले राज्य से एक ऐसे अपराध को खत्म करने की कोशिश थी जो एक वैश्विक समस्या है।

केएन नेहरू पर विजिलेंस छापेमारी से गरमाई तमिलनाडु की राजनीति, कनिमोझी ने सरकार पर साधा निशाना

विश्व केसरी

चेन्नई। डीएमके की उप महासचिव कनिमोझी ने शनिवार को तमिलनाडु के पूर्व नगर प्रशासक मंत्री केएन नेहरू से जुड़ी जगहों पर विजिलेंस की छापेमारी को लेकर टीवीके सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी सरकार सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके राजनीतिक विरोधियों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है। कनिमोझी ने कहा कि डीएमके छापेमारी, धमकियों या राजनीतिक दबाव से डरेगी नहीं और इस कार्रवाई का राजनीतिक और कानूनी रूप से सामना करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये छापेमारी तमिलनाडु के लोगों से जुड़े मुद्दों को हल करने के बजाय विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने की सरकार की कोशिश को दिखाती है। उनके ये बयान तब आए जब डायरेक्टरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन (डीवीएसी) ने चेन्नई और तिरुचिरापल्ली में नेहरू, उनके भाई केएन रविचंद्रन और अन्य लोगों से जुड़ी 19 जगहों पर एक साथ छापेमारी की।

चेन्नई में, विजिलेंस टीमों ने अलवरपेट में नेहरू के घर, आरए पुरम में रविचंद्रन के घर और अडयार में उनसे जुड़े एक ऑफिस की तलाशी ली। माइलापुर, तिरुवनमियूर, अन्ना नगर, अभिरामपुरम और अन्य इलाकों में भी छापेमारी की गई। तिरुचिरापल्ली में, डीवीएसी अधिकारी सुबह-सुबह थिल्लई नगर में नेहरू के घर पहुंचे और गहन तलाशी ली।

संपत्ति के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था क्योंकि डीएमके कार्यकर्ता बाहर जमा हो गए थे और सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। ये छापेमारी नेहरू के कार्यकाल के दौरान म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट में गड़बड़ी के आरोपों से जुड़ी है।

जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण, सफाई परियोजनाओं और अन्य नागरिक योजनाओं के लिए सरकारी कॉन्ट्रैक्ट देने में हेरफेर की गई और कॉन्ट्रैक्टरों से कमीशन वसूला गया। 1,000 करोड़ रुपए से ज?यादा के लेन-देन जांच के दायरे में हैं। विभाग पर 2,500 से ज?यादा पदों पर भर्ती और ट्रांसफर-पोस्टिंग में कथित गड़बड़ी के आरोप भी लगे हैं। डीवीएसी ने पहले कथित लेन-देन से जुड़े सबूतों के आधार पर मामला दर्ज किया था।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक बढ़ाने की आरबीआई से मिली मंजूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से शनिवार को दी गई।

आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसे आरबीआई की ओर से 4 सितंबर को जारी मंजूरी पत्र की प्रति उसी दिन रात 9:09 बजे प्राप्त हुई।

इसके तहत एलआईसी मंजूरी प्राप्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर आईसीआईसीआई बैंक में यह हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। अगर इस अवधि में हिस्सेदारी नहीं खरीदी गई तो यह मंजूरी स्वत: रद्द हो जाएगी।

हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के अधीन है। इनमें लागू वैधानिक और नियामकीय प्रावधानों का पालन करना भी शामिल है।

बैंक ने स्पष्ट किया कि आरबीआई की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि एलआईसी ने तुरंत आईसीआईसीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत कर ली है।

एलआईसी द्वारा की जाने वाली कोई भी हिस्सेदारी खरीद आरबीआई द्वारा निर्धारित शर्तों और अन्य लागू नियामकीय नियमों के अनुसार ही होगी।

इससे पहले पिछले महीने आरबीआई ने एलआईसी को एचडीएफसी बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी थी। निजी बैंक ने बताया था कि 14 अगस्त तक एचडीएफसी बैंक की कुल शेयर पूंजी में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.11 प्रतिशत थी।

आईसीआईसीआई बैंक के लिए मिली यह मंजूरी एलआईसी को निजी क्षेत्र के इस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सुविधा देती है, हालांकि इसके लिए सभी लागू नियामकीय और वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा।

शुक्रवार को बीएसई पर एलआईसी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 415.25 रुपए पर बंद हुए। एक्सचेंज के अनुसार, एलआईसी का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 468.30 रुपए और 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर 361 रुपए है।

वहीं, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,423 रुपए पर बंद हुए। इस शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,479.90 रुपए और न्यूनतम स्तर 1,187.55 रुपए रहा।

सोना इस हफ्ते चार हजार रुपए और चांदी आठ हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमश: 4,000 रुपए और 8,000 रुपए से अधिक घट गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 4,694 रुपए कम होकर 1,54,884 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,59,578 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,41,874 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,46,173 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,16,163 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,19,684 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 2 सितंबर को शाम के सत्र में 1,51,184 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 1,55,835 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 8,436 रुपए कम होकर 2,35,456 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,892 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 2,37,199 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 सितंबर को सुबह के सत्र में 2,28,360 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,500 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 66 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ना था। अमेरिका की ओर से ईरान पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। वहीं, ईरान भी मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। इससे बॉन्ड यील्ड, डॉलर और कच्चा तेल भी मजबूत हो गया है।

दुनिया के सबसे बड़े डायमंड बोर्स पहुंचे बेल्जियम के प्रधानमंत्री 100 साल पुरानी हीरा साझेदारी में नया मील का पत्थर

विश्व केसरी

मुंबई। भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से शुक्रवार को बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है। औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी-अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जब बीडीबी की योजना बन रही थी, तो एक टीम ने एंटवर्प का दौरा किया और वहां से सबक और प्रेरणा ली, जिसने मुंबई में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार केंद्र बनाने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि बीडीबी के उपाध्यक्ष मेहुल शाह वर्तमान में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेज के अध्यक्ष हैं, जो 1947 से व्यापार की वैश्विक शीर्ष संस्था है और जिसका

दिल्ली में भारी बारिश से विमान सेवाएं प्रभावित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में हुई भारी बारिश से विमान सेवाएं प्रभावित हो गई हैं और इंडिगो एवं एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि दिल्ली में खराब मौसम के कारण उड़ान संचालन में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने यात्रियों से एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की अपील की। साथ ही यात्रियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलने की सलाह दी, क्योंकि जलभराव और सड़कों पर धीमी आवाजाही से एयरपोर्ट पहुंचने में दिक्कत हो सकती है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने भी यात्रियों को चेतावनी दी कि खराब मौसम के कारण दिल्ली से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

हालांकि, आईजीआई एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार एयरपोर्ट के आसपास खराब मौसम की संभावना है, लेकिन फिलहाल एयरपोर्ट का संचालन सामान्य रूप से जारी है। एयरपोर्ट संचालक ने कहा कि यात्रियों की

आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए उसकी ग्राउंड टीमें सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय कर रही हैं। यात्रियों को उड़ान की ताजा जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

दिल्ली और आसपास के इलाकों, जिनमें नोएडा और गाजियाबाद भी शामिल हैं, में सुबह मध्यम बारिश हुई। इससे हाल की गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी पैदा हो गई। पालम एयरपोर्ट टनल, गीता कॉलोनी, मंडी हाउस और सुब्रतो पार्क समेत कई इलाकों में जलभराव की सूचना मिली, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और सामान्य जनजीवन बाधित हुआ। बारिश के कारण दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 24.8 डिग्री सेल्सियस हो गया, जो पिछले दिन के मुकाबले 3.4 डिग्री कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार रात 11:30 बजे से शनिवार सुबह 5:30 बजे के बीच सफदरजंग में 0.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद सुबह 8:30 बजे तक अगले तीन घंटों में स्टेशन पर 1.3 मिलीमीटर और बारिश दर्ज हुई। आईएमजी ने दिल्ली और आसपास के इलाकों के लिए येलो से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और दिन के दौरान पूरे क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

एफसीएनआर (बी) के जरिए डॉलर आकर्षित करने में आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक और एचएसबीसी रहे सबसे आगे

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से डॉलर आकर्षित करने के लिए शुरू की गई विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमा स्कीम को निवेशकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और इसमें 127.22 अरब डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया है।

मैक्वेरी, जेफरीज और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज (एमओएसएल) की ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक, इस स्कीम के तहत इनफ्लो को आकर्षित करने के लिए बैंकों ने निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें ऑफर की हैं। इन इनफ्लो में बैंकों की हिस्सेदारी उनके घरेलू कारोबार के हिसाब से निर्धारित नहीं है। कई बैंकों ने अपने आकार के मुकाबले बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीआईसीआई बैंक निजी बैंकों में अग्रणी रहा है। मैक्वेरी के मुताबिक, निजी बैंक ने एफसीएनआर (बी) जमा में 17.88 अरब डॉलर या 1.70 लाख करोड़ रुपए का इनफ्लो आकर्षित किया है। फंड जुटाने में 70 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान बैंक की अपनी बैलेंस शीट से आया, जिसमें उसकी इंटरनेशनल ब्रांच से लिए गए लगभग 9 अरब डॉलर के लोन और दूसरे बैंकों को जारी किए गए 3.6 अरब डॉलर के स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट शामिल हैं। एमओएसएल का अनुमान है कि आईसीआईसीआई

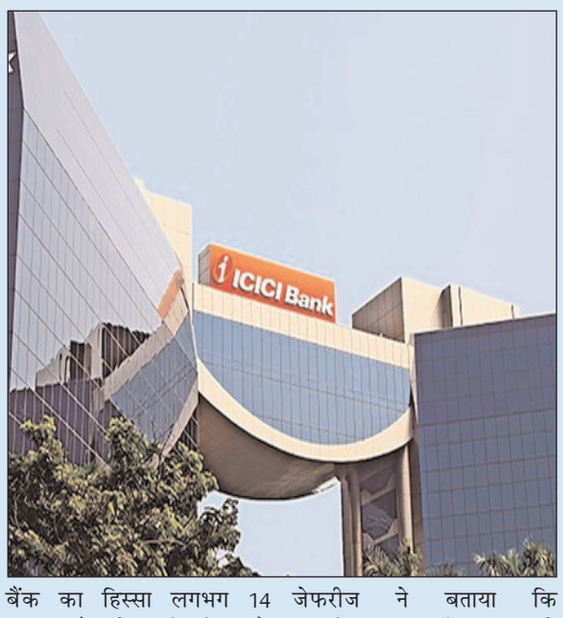

बैंक का हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत है, जो अभी भी उसके सामान्य डिपॉजिट-मार्केट हिस्सेदारी से दोगुना है। बैंक की इस मजबूत फंड जुटाने की क्षमता में उसकी इंटरनेशनल बैलेंस शीट का बड़ा योगदान रहा।

छोटे निजी बैंक आरबीएल बैंक ने भी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। एमओएसएल के अनुसार, बैंक ने लगभग 3.4 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपए) जुटाए, जो कुल एफसीएनआर (बी) जमा का लगभग 2.7 प्रतिशत था। यह बैंक के सामान्य डिपॉजिट मार्केट शेयर 0.5 प्रतिशत से काफी ज्यादा था।

इस स्कीम का सबसे ज्यादा फायदा विदेशी बैंकों को हुआ। जेफरीज ने बताया कि एफसीएनआर (बी) जमा में उनकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जून की शुरुआत में यह लगभग 1-2 प्रतिशत थी, जो जुलाई के अंत तक नए डिपॉजिट का 15 से 30 प्रतिशत हो गई।

एमओएसएल का अनुमान है कि 30 जुलाई तक एचएसबीसी बैंक ने कुल नए डिपॉजिट का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया और 6.1 अरब डॉलर (करीब 58,000 करोड़ रुपए) जुटाए। जेफरीज के डेटा से पता चला कि अगस्त के अंत तक एचएसबीसी के नए डिपॉजिट लगभग 6.14 अरब डॉलर तक पहुंच गए थे। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भी नए डिपॉजिट का लगभग 7 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया।

केंद्र सरकार की 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू, एमएसएमई को मिलेगी किफायती प्रोफेशनल सहायता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए अनुपालन (कंप्लायंस) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू की है। इस पहल का मकसद अनुपालन को डरावना नहीं, बल्कि आसान और ज्ञान को सुलभ बनाना है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुपालन को एक बोझ से बदलकर विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यवस्थित विकास का माध्यम बनाना है।

सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य प्रशिक्षित और प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक पूल तैयार करना है जो

एमएसएमई को बिजनेस और रेगुलेटरी अनुपालन में मदद कर सकें। यह प्रोग्राम आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीओएआई की प्रोफेशनल विशेषज्ञता को आईआईटी मद्रास, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक औरस्वयं प्लस के तकनीकी और अकादमिक सहयोग के साथ जोड़ता है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीओएआई) ने कॉर्पोरेट मित्र कोर्स शुरू कर दिया है, जिसके पहले बैच में 2,879 शिक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार, कॉर्पोरेट मित्र लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का लॉन्च इस प्रोग्राम के स्ट्रक्चर्ड लर्निंग और क्षमता-विकास चरण की शुरुआत है। इस कोर्स का लक्ष्य प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक कुशल समूह तैयार करना है जो एमएसएमई को किफायती प्रोफेशनल सहायता प्रदान कर सके, जिससे व्यापार करने में आसानी, रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कोयला गैसीकरण योजना के तहत कोई आवेदन न मिलने की रिपोर्ट्स को कोयला मंत्रालय ने किया खारिज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि 37,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण योजना को कोई आवेदन नहीं मिला है।

मंत्रालय ने बताया कि तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और एनटीपीसी लिमिटेड ने ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपने-अपने आवेदन पहले ही जमा कर दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय उन अन्य संभावित आवेदकों के संपर्क में भी है जो प्रोजेक्ट की तैयारी और आवेदन को अंतिम रूप देने के अलग-अलग चरणों में हैं। पहले राउंड के लिए आवेदन जमा करने की समय-सीमा 7 सितंबर, 2026 है।

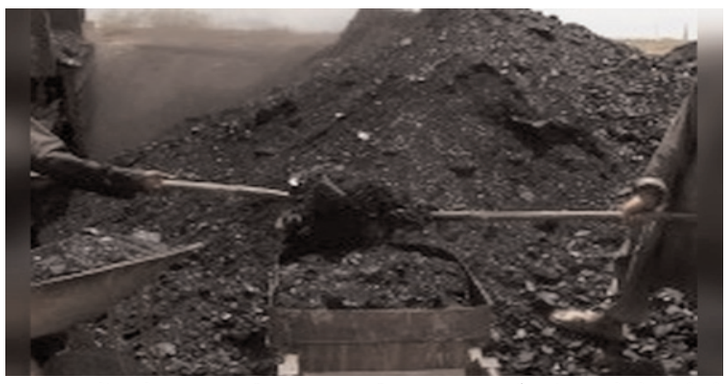

बयान में आगे कहा गया कि जब तक एप्लीकेशन विंडो बंद नहीं हो जाती, तब तक पहले राउंड में मिली एप्लीकेशन की संख्या का पक्के तौर पर आकलन या ब्योरा नहीं दिया जा सकता और मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि उससे पहले किया गया कोई भी आकलन अधूरा या अनिर्णायक होगा। इसके अलावा, कई और आवेदक प्रोजेक्ट की तैयारी के अलग-अलग चरणों में हैं। इस स्कीम का रोलिंग, मल्टी-राउंड एप्लीकेशन डिजाइन नए आवेदकों को बाद के राउंड में आवेदन करने की सुविधा देता है। ये राउंड हर विंडो के बंद होने के अगले दिन खुलते हैं और दो महीने तक खुले रहते हैं। इस स्कीम के तहत सोचे गए प्रोजेक्ट्स का दायरा बड़ा और जटिल है, इसलिए आवेदकों को काफी तैयारी करनी पड़ती है। इसमें प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करना, टेक्नोलॉजी के विकल्पों का आकलन करना, कोयला/लिग्नाइट और दूसरे फीडस्टॉक के इंतजाम की पहचान करना, प्रोजेक्ट की आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना और प्रोजेक्ट के विस्तृत प्रस्ताव तैयार करना शामिल है।

सुबह पेट साफ नहीं होता? चूर्ण-दवा छोड़िए, सोने से पहले तलवों पर इस तेल से करें मालिश, कब्ज की हो जाएगी छुट्टी

अगर सुबह पेट ठीक से साफ न हो, तो पूरा दिन भारीपन, गैस और बेचैनी में बीतता है. कब्ज की इस रोजमर्रा की समस्या से राहत पाने के लिए दवाओं और चूर्ण के बजाय एक बेहद आसान घरेलू नुस्खा भी काम आ सकता है. रसोई में मौजूद प्याज, लहसुन और अजवाइन से खास तेल तैयार करके रात में तलवों की मालिश करने से शरीर को रिलैक्स मिलने के साथ पाचन क्रिया को भी सहारा मिलता है.

कब्ज की वजह से सुबह पेट साफ न हो तो पूरा दिन परेशान गुजरता है. पेट भारी रहना, गैस और ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं. ऐसे में लोग कई तरह के चूर्ण और दवाओं का सहारा लेते हैं. लेकिन एक घरेलू तरीका ऐसा है जिसमें कुछ आम चीजों से तेल तैयार करके रात में तलवों पर मालिश की जाती है. इस नुस्खे में इस्तेमाल होने वाली चीजें आपको आसानी से घर की रसोई में मिल जाएंगी. आइए जानते हैं पूरा तरीका.

इस घरेलू तेल को बनाने के लिए आपको सिर्फ कुछ आम चीजों की जरूरत होगी. करीब 100 मिलीलीटर सरसों का तेल या तिल का तेल लें. इसके साथ एक मध्यम आकार का बारीक कटा प्याज, 6 से 7 कुटी हुई लहसुन की कलियां और एक छोटा चम्मच अजवाइन लें. यानी नुस्खे की खास चीजें हैं प्याज, लहसुन और अजवाइन. इन्हें तेल में धीमी आंच पर पकाया जाता है. अब जानते हैं कि इन चीजों को तेल में डालकर किस तरह तैयार करना है.

सबसे पहले छोटी कड़ाही में 100 मिलीलीटर सरसों का तेल या तिल का तेल डालकर हल्का गर्म करें. अब इसमें बारीक कटा प्याज, कुटी हुई 6 से 7 लहसुन की कलियां और एक छोटा चम्मच अजवाइन डाल दें. गैस की आंच धीमी रखें और सारी चीजों को धीरे-धीरे पकने दें. जब प्याज और लहसुन का रंग गहरा भूरा होने लगे तो गैस बंद कर दें. ध्यान रखें कि सामग्री जलकर काली न हो. तेल ठंडा होने पर इसे छानकर साफ शीशी में रख लें.

अब बारी आती है इस तेल को लगाने की. रात में सोने से करीब 15 मिनट पहले पैरों को गुनगुने पानी से धोकर अच्छी तरह सुखा लें।

इसके बाद तेल की कुछ बूंदें हथेली पर लें और दोनों पैरों के तलवों पर लगाएं. अंगूठे और उंगलियों से करीब 5 से 7 मिनट तक हल्के हाथ से मसाज करें. मालिश करते समय तलवों के बीच वाले हिस्से पर भी हल्का दबाव दिया जा सकता है. इसके बाद सूती मोजे पहनकर सो जाएं ताकि तेल बिस्तर पर न लगे.

कब्ज से राहत के लिए पूरी तरह से सिर्फ किसी घरेलू नुस्खे पर निर्भर रहना ठीक नहीं है. दिनभर पर्याप्त पानी पीना, खाने में फल, सब्जियां और फाइबर वाली चीजें शामिल करना जरूरी है. रात में बहुत भारी खाना खाने से भी बचें. रोजाना थोड़ा पैदल चलना और शरीर को एक्टिव रखना भी मददगार हो सकता है. अगर कब्ज कभी-कभार होती है तो खान-पान और दिनचर्या में सुधार से राहत मिल सकती है. लेकिन समस्या बार-बार हो रही है तो इसकी वजह जानने के लिए डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

भारत के ऐसे रैलवे रूट्स जहां मंजिल से ज्यादा खूबसूरत है सफर, विंडो सीट मिल गई तो समझिए जैकपॉट

भारत में ट्रेन से सफर सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने का जरिया नहीं है. कई बार असली कहानी उस रास्ते में छिपी होती है, जो खिड़की के बाहर लगातार बदलता रहता है. कभी दूर तक फैली पहाड़ियों के बीच ट्रेन धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, तो कभी समुद्र कुछ ही दूरी पर पटरियों के साथ चलता दिखाई देता है. ऐसे सफर में मंजिल आने का इंतजार कम और रास्ता खत्म होने का अफसोस ज्यादा होता है. खासकर जब आपको विंडो सीट मिल जाए, तब मोबाइल निकालकर फोटो लेने से ज्यादा मन बाहर देखते रहने का करता है. अगर आप भी अगली ट्रेन यात्रा को सामान्य सफर से थोड़ा अलग बनाना चाहते हैं, तो भारत के इन खूबसूरत रेलवे रूट्स को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल कर सकते हैं.

कोंकण रेलवे: पहाड़, झरने और समुद्र का साथ पश्चिमी तट से गुजरने वाला कोंकण रेलवे रूट भारत के सबसे खूबसूरत रेल सफरों में गिना जाता है. महाराष्ट्र से गोवा और कर्नाटक की ओर जाते समय ट्रेन कई सुरंगों, पुलों और हरी-भरी पहाड़ियों से गुजरती है. मानसून के दौरान इसका नजारा और भी आकर्षक हो जाता है. जगह-जगह छोटे झरने और घने जंगल दिखाई देते हैं.

खिड़की वाली सीट का असली मजा इस रूट पर विंडो सीट मिलना सच में किसी जैकपॉट से कम नहीं लगता. कई हिस्सों में ट्रेन एक तरफ पहाड़ और दूसरी तरफ हरियाली के बीच से गुजरती है. कैमरा तैयार रखना पड़ता है, क्योंकि अगला दृश्य कब सामने आ जाए, पता ही नहीं चलता.

कालका-शिमला रेलवे: पहाड़ों के बीच छोटी रेल कालका-शिमला रेलवे उन यात्रियों के लिए खास है जिन्हें धीमी रफ्तार में पहाड़ों को देखने का मजा लेना पसंद है. छोटी ट्रेन घुमावदार रास्तों, सुरंगों और ऊंचे पुलों से गुजरते हुए शिमला की ओर बढ़ती है. यहां सफर खुद एक अनुभव बन जाता है. ट्रेन की गति भले ही तेज न हो, लेकिन शायद यही इसकी खूबसूरती है. रास्ते में देवदार के पेड़, पहाड़ी ढलान और बदलता मौसम यात्रियों को लगातार खिड़की की ओर देखने पर मजबूर करते हैं.

दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे: बादलों के बीच सफर पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे भी ऐसा रूट है जहां ट्रेन यात्रा को लेकर उत्सुकता मंजिल से पहले ही शुरू हो जाती है. पहाड़ी रास्तों से गुजरती टॉय ट्रेन और आसपास का प्राकृतिक वातावरण सफर को अलग पहचान देता है. कई जगहों पर पहाड़ों के बीच से खुला दृश्य दिखाई देता है।

ठंडी हवा और धुंध के बीच चलती ट्रेन का अनुभव खासकर उन यात्रियों को पसंद आता है जो प्रकृति के करीब समय बिताना चाहते हैं।

बोरिंग लौकी को दें नया ट्विस्ट, कद्दूकस लौकी से बनाएं क्रिस्पी हाई-प्रोटीन टिक्की, नोट करें रेसिपी

लौकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन स्वाद के मामले में कई लोगों पसंद नहीं आता. खासतौर पर बच्चे लौकी खाने में बहुत नखरा दिखाते हैं. ऐसे में लौकी टिक्की की रेसिपी आप ट्राई कर सकते हैं. इसका कुरकुरापन बच्चों को खूब पसंद आता है.

लौकी में कैलोरी कम होती है और यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है. इसके अलावा लौकी आसानी से पच भी जाता है, जो इसे कमजोर वाले लोगों और बच्चे-बुढ़ों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाता है. लेकिन कई परिवारों में लौकी बिल्कुल खाना पसंद नहीं किया जाता है. लौकी का नाम सुनते ही मुंह बना लेते हैं, खासकर बच्चों को लौकी की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं आती.

पर अगर इसी साधारण सब्जी को स्वादिष्ट और हेल्दी तरीके से तैयार किया जाए, तो यह हर किसी की पसंद बन सकती है. अगर आप ऐसी रेसिपी की तलाश में हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हेल्दी भी हो, तो हाई-प्रोटीन लौकी पनीर टिक्की एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है. यह बाहर से कुरकुरी और अंदर से नरम होती है. इसे बनाने में बहुत कम तेल का इस्तेमाल होता है, इसलिए यह उन लोगों के लिए भी अच्छी है जो फिटनेस और हेल्दी डाइट पर ध्यान देते हैं.

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में कद्दूकस की हुई लौकी, प्याज, पनीर, बेसन, सोया फ्लोर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, हरी मिर्च और सफेद तिल डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं।

चाबी लगाने पर भी नहीं खुल रहा डोर लॉक? ये ट्रिक कर सकती है मिनटों में काम

दरवाजे का लॉक अचानक जाम हो जाए तो चाबी घूमना बंद हो जाती है और कई बार दरवाजा खोलना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में घबराकर लॉक पर जोर लगाने के बजाय कुछ आसान उपाय आजमाए जा सकते हैं.

घर के दरवाजे का लॉक अचानक जाम हो जाए तो काफी परेशानी हो सकती है. कई बार चाबी लॉक में जाने के बाद घूमती नहीं है, तो कभी चाबी अंदर जाती ही नहीं. पुराने लॉक में धूल, जंग और गंदगी जमा होने के कारण ऐसी समस्या हो सकती है. वहीं कई बार दरवाजे और फ्रेम के बीच दबाव पड़ने से भी लॉक का लैच फंस जाता है. ऐसी स्थिति में घबराने या लॉक पर जोर लगाने के बजाय कुछ आसान तरीके आजमाए जा सकते हैं.

अगर चाबी लॉक में फंस गई है या घूम नहीं रही है, तो सबसे पहले उस पर ज्यादा दबाव डालना बंद करें. जोर से चाबी घुमाने पर वह लॉक के अंदर टूट सकती है और समस्या और बढ़ सकती है. चाबी को धीरे-धीरे अंदर और बाहर करें और फिर आराम से घुमाने की कोशिश करें.

लॉक में Lubricant का करें इस्तेमाल

लॉक के अंदर धूल या गंदगी जमा होने पर उसका मैकेनिज्म ठीक से काम नहीं करता. ऐसी स्थिति में लॉक के लिए बने ग्रेफाइट पाउडर या Dry Lubricant का इस्तेमाल किया जा सकता है. थोड़ी मात्रा द्यद्द4द्धश्रद्यद्द में डालें और चाबी को धीरे-धीरे अंदर-बाहर करें. इसके बाद चाबी घुमाने की कोशिश करें.

कई बार समस्या लॉक में नहीं, बल्कि दरवाजे की Position में होती है. अगर दरवाजा फ्रेम पर ज्यादा दबाव डाल रहा है तो लॉक का लैच अटक सकता है. ऐसे में दरवाजे को हल्का अपनी तरफ खींचते या धकेलते हुए चाबी घुमाने की कोशिश करें. कई बार इस छोटे से बदलाव से जाम लॉक खुल जाता है.

दूसरी चाबी से करें कोशिश

कभी-कभी लॉक खराब नहीं होता, बल्कि चाबी घिस जाने या हल्की मुड़ जाने की वजह से समस्या आती है. अगर आपके पास Spare Key है तो उससे लॉक खोलने की कोशिश करें. अगर दूसरी चाबी आसानी से घूम जाती है, तो पुरानी चाबी को बदल देना बेहतर है।

पुराने लॉक में हो सकती है जंग

अगर लॉक काफी पुराना है तो उसके अंदर जंग या गंदगी जमा हो सकती है. ऐसे में बार-बार चाबी घुमाने की कोशिश करने से नुकसान हो सकता है. लॉक की सफाई और सर्विसिंग की जरूरत पड़ सकती है.

कब बुलाएं Locksmith ?

अगर इन तरीकों के बाद भी लॉक नहीं खुल रहा है, चाबी टूटने का खतरा है या लॉक का अंदरूनी मैकेनिज्म खराब हो गया है, तो खुद से लॉक तोड़ने या जबरदस्ती खोलने की कोशिश न करें. इससे दरवाजे और लॉक दोनों को नुकसान हो सकता है।

बचपन से टीन एज में कदम रख रहे बच्चों के लिए क्या है प्राइवेसी की सही सीमा? पेरेंट्स जरूर पढ़ें ये बातें

बच्चे जब किशोरावस्था की तरफ बढ़ते हैं, तो उनकी सोच, पसंद और व्यवहार में कई बदलाव आने लगते हैं. ऐसे में उनका हर समय पीछा करने या फोन चेक करने के बजाय उन्हें थोड़ी प्राइवेसी देना जरूरी है. लेकिन सवाल है कि बच्चे को कितनी आजादी दें और उसकी सुरक्षा का ध्यान कैसे रखें? जानिए पेरेंट्स के लिए भरोसे और प्राइवेसी के बीच सही संतुलन बनाने के आसान तरीके.

बच्चे जैसे-जैसे बड़े होने लगते हैं, उनकी दुनिया भी बदलने लगती है. जो बच्चा कुछ साल पहले अपनी हर छोटी-बड़ी बात मम्मी-पापा को बताता था, वही अब अपने कमरे में अकेले रहना, दोस्तों से बातें करना या अपने फोन पर समय बिताना पसंद कर सकता है. यही वह दौर है जब बच्चे बचपन से किशोरावस्था की तरफ बढ़ रहे होते हैं. ऐसे में पेरेंट्स के मन में अक्सर सवाल आता है कि बच्चे को कितनी आजादी दी जाए और उसकी प्राइवेसी की सीमा कहां तय की जाए?

प्राइवेसी का मतलब दूरी नहीं

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि बच्चे को प्राइवेसी देना उसे परिवार से दूर करना नहीं है. बढ़ती उम्र में बच्चे अपनी अलग पहचान और पसंद-नापसंद को समझने लगते हैं. उन्हें हर समय यह महसूस कराना कि माता-पिता उनकी हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं, कई बार उन्हें बातें छिपाने के लिए मजबूर कर सकता है।

रात में अचानक लगती है भूख? बिना वजन बढ़ाए खाएं ये 6 हेल्दी स्नैक्स, कैलोरी 100 से भी कम!

रात में अचानक भूख लगने पर अक्सर लोग अनहेल्दी चीजें खा लेते हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है. लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं! हम आपके लिए लाए हैं 6 ऐसे हेल्दी स्नैक्स, जिनकी कैलोरी 100 से भी कम है. इन्हें खाकर आप अपनी भूख भी मिटा सकते हैं और वजन भी कंट्रोल में रख सकते हैं.

रात में सोने से पहले अचानक भूख लगना या कुछ खाने की क्रेविंग होना काफी आम बात है. ऐसे में अक्सर लोग चिप्स, बिस्कुट, मिठाई, इंस्टेंट नूडल्स या दूसरी अनहेल्दी चीजों का सहारा ले लेते हैं. कभी-कभार ऐसा करना बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन देर रात बार-बार हाई-कैलोरी स्नैक्स खाने की आदत वजन और नींद समेत आपकी ओवरऑल हेल्थ को प्रभावित कर सकती है. अगर रात में सचमुच भूख लगी है, तो तला-भुना या बहुत ज्यादा मीठा खाने के बजाय हल्के और पोषण से भरपूर विकल्प चुनना बेहतर हो सकता है. यहां ऐसे 6 स्नैक्स बताए जा रहे हैं, जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये आमतौर पर 100 कैलोरी के आसपास या उससे कम रह सकते हैं.

ब्लूबेरी – लगभग एक कप ब्लूबेरी में करीब 80 कैलोरी हो सकती हैं. इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो संतुलित डाइट का हिस्सा बन सकते हैं. रात में कुछ मीठा खाने का मन हो तो ब्लूबेरी एक हल्का विकल्प हो सकता है. कैसे खाएं: इन्हें सीधे धोकर खाएं या थोड़ी मात्रा में बिना चीनी वाले ग्रीक योगर्ट के साथ ले सकते हैं.

एवोकाडो – आधा एवोकाडो करीब 80 कैलोरी का हो सकता है, हालांकि इसका आकार अलग होने पर कैलोरी भी बदल सकती है. इसमें फाइबर, पोटैशियम और मोनोअनसैचुरेटेड फैट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. कैसे खाएं: एवोकाडो को मैश करके उसमें थोड़ा नमक और काली मिर्च डालकर खा सकते हैं. रात में इसे खाते समय ज्यादा ब्रेड, चीज या भारी ड्रेसिंग जोड़ने से बचें.

केला – एक छोटा केला लगभग 60-80 कैलोरी का हो सकता है. इसमें पोटैशियम और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो इसे रात में हल्की भूख के लिए सुविधाजनक विकल्प बनाते हैं. कैसे खाएं: केले को सीधे खाएं. स्वाद बढ़ाने के लिए ऊपर से थोड़ी दालचीनी छिड़क सकते हैं. शहद या चीनी की अतिरिक्त मात्रा डालने से कैलोरी बढ़ सकती है.

सेब – एक मीडियम आकार के सेब में लगभग 55-80 कैलोरी हो सकती हैं. इसमें फाइबर और कई तरह के पौधों से मिलने वाले एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. इसका फाइबर पेट को कुछ देर भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकता है. कैसे खाएं: सेब को धोकर सीधे खाएं या ऊपर से थोड़ी दालचीनी डालें. अगर कैलोरी सीमित रखनी है तो रात में ज्यादा मात्रा में पीनट बटर या मीठी स्प्रेड का इस्तेमाल ना करें.

उबला अंडा – एक बड़े उबले अंडे में लगभग 70-80 कैलोरी होती हैं और यह प्रोटीन का अच्छा स्रोत है. अगर रात में भूख ऐसी है कि सिर्फ फल खाने से संतुष्टि नहीं मिल रही, तो उबला अंडा एक अच्छा विकल्प हो सकता है. कैसे खाएं: उबले अंडे को थोड़ा नमक, काली मिर्च और बारीक कटी सब्जियों के साथ खा सकते हैं. इसे ज्यादा तेल या मेयोनेज़ के साथ खाने से बचें.

गाजर – 100 ग्राम कच्ची गाजर में लगभग 40 कैलोरी होती हैं. इसमें फाइबर और बीटा-कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. देर रात कुछ कुरकुरा खाने का मन हो तो गाजर चिप्स या तले हुए स्नैक्स की तुलना में हल्का विकल्प हो सकती है।

कैसे खाएं: गाजर को धोकर स्टिक्स के रूप में खाएं या हल्का ब्लांच करके लें. थोड़ी मात्रा में ह्यूमस के साथ भी खा सकते हैं.

7रात में स्नैकिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान – ध्यान रखें कि 100 कैलोरी से कम होना किसी खाद्य पदार्थ को अपने आप हेल्दी नहीं बना देता. स्नैक की मात्रा, आपकी कुल डाइट, दिनभर की शारीरिक गतिविधि और आपकी व्यक्तिगत जरूरतें भी मायने रखती हैं. अगर हर रात सोने से ठीक पहले तेज भूख लगती है, तो दिनभर के भोजन, खासकर डिनर में प्रोटीन और फाइबर की पर्याप्त मात्रा पर ध्यान देना उपयोगी हो सकता है. वहीं बहुत भारी, तला-भुना, मसालेदार या अधिक मीठा भोजन सोने के बेहद करीब लेने से बचना बेहतर है।

आर्मी मेजर बनने के लिए लेनी पड़ी खास ट्रेनिंग, अश्मिता बख्शी ने बताया अपना अनुभव

अश्मिता बख्शी

मुंबई । अश्मिता बख्शी इन दिनों टीवी शो '108 बेस हॉस्पिटल - उरी' में आर्मी मेजर और नर्स अग्नेता सोलंकी के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि शो का कॉन्सेप्ट उन्हें बहुत अच्छा लगा, जिस वजह से वह शो के लिए मना नहीं कर पाई।

"उन्होंने बताया, "इस शो में मैं एक नर्स का किरदार निभा रही हूं, जो सेना में मेजर भी हैं। इस शो के मेकर्स के साथ मैंने पहले भी काम किया है। वह इस किरदार के लिए कास्टिंग कर रहे थे और मुझे लगता है कि यह आखिरी रोल था जिसे उन्हें फाइनल करना था। उन्होंने मुझे इसके लिए बुलाया और किरदार के बारे में बताया।"

इस तरह की खास ट्रेनिंग लेनी पड़ी

- सही बॉडी लैंगवेज, पोस्टर और स्टांस की ट्रेनिंग
- आर्मी ऑफिसर के तौर पर मिलने और व्यवहार का अभ्यास
- ऑपरेशन थिएटर और अस्पताल के प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग
- शूट से पहले दी गई पूरी तैयारी, जिसे शो में किया गया शामिल

स्पोर्ट्स फैमिली से हैं ताल्लुक

अश्मिता ने बताया, "मैं एक स्पोर्ट्स फैमिली से ताल्लुक रखती हूं। मेरे दादाजी हॉकी खेलते थे और फिटनेस मेरे खून में हैं। आर्मी स्टांस रखना और जरूरी बॉडी पोश्चर बनाए रखना मेरे लिए थोड़ा आसान था। एक प्रोफेशनल डांसर होने से भी मुझे मदद मिली।"

शो असली अनुभवों से है प्रेरित

यह शो श्रीनगर के असल आर्मी हॉस्पिटल से प्रेरित है, लेकिन शूट वहां नहीं हुआ। हमने मुंबई स्टूडियो में शूट किया और इसका कुछ हिस्सा कश्मीर में शूट किया गया। किरदार काल्पनिक हैं, लेकिन कहानियां असल अनुभवों से प्रेरित हैं।

"यह शो डेली सोप से बिल्कुल अलग है। इसी कॉन्सेप्ट ने मुझे उत्साहित किया और मैंने इसे करने का फैसला लिया।" – अश्मिता बख्शी

हर्षवर्धन राणे ने जॉन अब्राहम और राम गोपाल वर्मा को बताया अपना गुरु, शेयर की खास तस्वीरें

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर उन लोगों को याद किया, जिन्होंने उन्हें एक बेहतर इंसान और इतने मुकाम तक पहुंचाने में मदद की।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए उन रिश्तों की झलक दिखाई जो उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के दौरान बनाए हैं। पहली तस्वीर में अभिनेता हर्षवर्धन राणे एक्टर-प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम के साथ हैं। दोनों एक तस्वीर में एक गर्मजोशी भरा पल शेयर करते दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा एक कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि तीसरी फोटो में हर्षवर्धन एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं।

तस्वीर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, 'मेरे टीचर्स मेरे गॉडफादर के लिए। शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसके बाद उन्होंने एक और लाइन लिखी, 'मैं उनसे सीख रहा हूं बस काम करते रहना।

अभिनेता हर्षवर्धन राणे जॉन अब्राहम को अपना मेंटर मानते हैं। बताया जाता है कि हर्षवर्धन राणे की जॉन से पहली मुलाकात 2004 में हुई थी, जब एक डिलीवरी बॉय के तौर पर उन्होंने जॉन अब्राहम को एक हेलमेट डिलीवर किया था। सालों बाद दोनों अब साथ में फिल्म 'फोर्स-3' में नजर आएंगे।

जॉन अब्राहम इस फिल्म में एक बार फिर अपने लोकप्रिय और दमदार किरदार एसीपी यशवर्धन सिंह के रूप में लौट रहे हैं, जबकि हर्षवर्धन इस फिल्म में खलनायक (विलेन) या उनके आमने-सामने की टक्कर वाले रोल में दिखाई देंगे।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा (आरजीवी) और अभिनेता हर्षवर्धन राणे के बीच का बॉन्ड सिनेमाई जूनून, आपसी सम्मान और एक बड़े क्रिएटिव बदलाव पर टिका है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'पुलिस कंपनी' को राम गोपाल वर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मुंबई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की जिंदगी पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें एक्टर पुलिस वाले का रोल करेंगे।

शूटिंग और फिजिकली मुश्किल रोल की तैयारी के साथ-साथ अभिनेता हर्षवर्धन राणे साइकोलॉजी (ऑनर्स) में बैचलर ऑफ आर्ट्स कर रहे हैं, जिसकी झलक वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दिखाते रहते हैं।

प्रियदर्शन ने 'कसौटी' से जुड़ा पुराना किस्सा किया शेयर, कहा- अमिताभ बच्चन मेरे लिए भगवान थे

मुंबई। निर्देशक प्रियदर्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' लेकर आ रहे हैं। निर्देशक ने बताया कि युवा दौर में वे फिल्मों के इतने बड़े शौकीन होते थे कि सुपरस्टार की झलक बड़े पर्दे पर देखने के लिए किसी भी हद तक चले जाते थे।

प्रियदर्शन ने आईएएनएस के साथ बातचीत में स्टारडम के बदलते दौर और मेगास्टार अमिताभ बच्चन जैसे कलाकारों से जुड़े समय को भी याद किया। उन्होंने फिल्म 'कसौटी' के पहले दिन का शो देखने के लिए टिकट पाने की अपनी कोशिश को याद किया और कहा कि वो याद आज भी उनके दिमाग में ताजा है।

उन्होंने कहा, 'फिल्म 'कसौटी' के पहले दिन का टिकट लेने की कोशिश का एक बड़ा निशान अब भी मेरे पास है। अमिताभ बच्चन मेरे लिए भगवान हुआ करते थे। उनके लिए मेरे मन में इज्जत आज भी बिल्कुल वैसी ही है, लेकिन अपने सुपरस्टार को लेकर लोगों में उस तरह की दिवानगी होना बहुत मुश्किल है।

निर्देशक का कहना है कि आज के समय में हर स्टार कोने में हैं। आप उन्हें आज के दौर में आराम से घूमते हुए देख सकते हैं, लेकिन उन एक्टर्स का वो दौर ही अलग था, जिन्हें आप उस समय देखना चाहते थे।

उन्होंने आगे कहा, 'उस समय जब आप कोई मूवी देखते थे, तो आप सिर्फ फिल्म नहीं देखते थे बल्कि, उस समय के एक्टर्स को देखते थे। क्योंकि आप उस एक्टर या एक्ट्रेस के आसपास की बातें जानकर हैरान होते थे। निर्देशक प्रियदर्शन ने बताया कि जिंदगी की बदलती रफ्तार ने ये स्टारडम भी बदलकर रख दिया है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे समय बीत रहा है, जिंदगी की रफ्तार बहुत तेजी से बढ़ रही है। इसलिए लोगों में उन दिनों जैसा सब्र नहीं है।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

विश्व केसरी ■

मुंबई। बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।'

नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है। अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।'

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

श्रीकृष्ण से मिली सीख पर बोलीं सोनाक्षी बत्रा, 'भगवान ने कई भूमिकाएं निभाईं, फिर भी खुद को नहीं खोया'

विश्व केसरी ■

मुंबई। 'जगधात्री' में मुख्य भूमिका निभा रही अभिनेत्री सोनाक्षी बत्रा ने जन्माष्टमी के मौके पर भगवान कृष्ण के साथ अपने जुड़ाव और उनके जीवन से मिलने वाली सीख के बारे में बात की।

उन्होंने बताया कि बचपन में जब वह अलग-अलग एक्टिविटी में हिस्सा लेती थीं और स्टेज पर परफॉर्म देने जाती थीं, तब उनके पिता हमेशा उन्हें भगवान कृष्ण का आशीर्वाद लेने के लिए कहते थे। उस समय वह इस बात का मतलब पूरी तरह नहीं समझ पाती थीं, लेकिन आज जब वह खुद अभिनय की दुनिया का हिस्सा हैं, तो उन्हें अपने पिता की वह बात गहराई से समझ आती है।

मीडिया से बातचीत में सोनाक्षी ने कहा, ''भगवान कृष्ण ने कई अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। वह बेटे भी थे, दोस्त भी, प्रेमी भी, मार्गदर्शक भी, रणनीतिकार और राजा भी, इन सभी भूमिकाओं के बीच उन्होंने कभी अपना असली स्वरूप नहीं खोया। मुझे लगता है कि एक अभिनेता के लिए भी यही बात बेहद खास है। अभिनय में कलाकार को कई तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं और हर किरदार की भावनाओं, दुनिया और सफर को जीना पड़ता है, लेकिन इन सबके बीच खुद को पहचानना भी जरूरी है। एक अभिनेता होने की यही एक सबसे खूबसूरत बात है कि वह अलग-अलग लोगों का किरदार निभाता है, उनकी भावनाओं और उनकी जिंदगी को महसूस करता है, लेकिन हर किरदार के पीछे कहीं न कहीं अपने असली रूप तक वापस आने का रास्ता भी खोजता है।''

सोनाक्षी ने कहा, ''मेरे लिए जन्माष्टमी बचपन की उन मीठी यादों को ताजा करती है, जब पूरा परिवार मिलकर भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाता था। घर में सजावट होती थी और भोग तैयार किया जाता था। परिवार के सदस्य लड्डू गोपाल को बहुत प्यार से सजाते थे। उनके लिए सुंदर और छोटे-छोटे कपड़े लाए जाते थे, फूलों से उन्हें सजाया जाता था और घर में खूबसूरत झांकियां तैयार की जाती थीं। मेरी मां भगवान कृष्ण के लिए खास भोग बनाती थीं, जिसमें खासतौर पर खीर शामिल होती थी। इसके साथ ही भगवान कृष्ण को उनका पसंदीदा माखन भी चढ़ाया जाता था।''

बिग बॉस सीजन 20 : काउबॉय लुक में नजर आए सलमान खान, पैपराजी को लगाई फटकार

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेता सलमान खान लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग-बॉस-20' में होस्ट के तौर पर वापसी के लिए तैयार हैं, जिसके लिए अभिनेता ने शो की शूटिंग शुरू दी है। इस दौरान अभिनेता पैपराजी से थोड़ा नाराज नजर आए। शूटिंग के लिए अभिनेता ने काउबॉय लुक अपनाया हुआ था। शो में जाने से पहले उन्होंने पैपराजी को पोज दिए और स्टेज से दूरी बनाने का निर्देश भी दिया।

हालांकि, उन्हें किस बात ने उकसाया यह अभी साफ नहीं है। सेट पर सलमान खान काउबॉय लुक में नजर आए। उन्होंने गहरे भूरे रंग की लेदर काउबॉय हैट, नेवी ब्लू टी-शर्ट और ऑलिव ग्रीन वेस्ट पहनी थी। इस लुक को उन्होंने डेनिम, सिल्वर बेल्ट और अपने ट्रेडमार्क फिरोजी ब्रेसलेट के साथ पूरा किया। सोलो पोज देने के बाद अभिनेता ने पैपराजी के कहने पर उनके साथ भी फोटो खिंचवाई।

हालांकि अभिनेता पैपराजी पर भड़कते हुए भी नजर आए। उन्होंने यह कहते हुए सुना गया, 'यह मेरा काम नहीं है और मुझे कैमरे के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।'

क्लिप के आखिर में, जब पैपराजी उनसे पोज देने के लिए कहते रहे, तो एक्टर चिढ़े हुए दिखे और उन्होंने उसी कहा, 'फोटो, फोटो, फोटो।'

बिग बॉस के नए सीजन की बात करें तो, यह हिंदी रियलिटी शो का 20वां एडिशन है, जिसमें सलमान होस्ट के तौर पर वापस आ रहे हैं। सीजन का प्रीमियर 6 सितंबर को होने वाला है।

जिन लोगों को नहीं पता, सलमान 2010 में अमिताभ बच्चन की जगह सीजन 4 के होस्ट बनने के बाद से ही बिग बॉस का चेहरा रहे हैं।

लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' के मुख्य और सबसे लंबे समय तक रहने वाले होस्ट सलमान खान हैं, जो आगामी सीजन 'बिग बॉस 20' को भी होस्ट कर रहे हैं। सलमान खान लगातार इस शो का मुख्य चेहरा बने हुए हैं।

हालांकि बीच में संजय दत्त (सीजन 5), फराह खान (विशेषांक/स्पिन-ऑफ) ने भी साथ या आंशिक रूप से होस्ट किया है।

भारत-रूस ने न्यायिक सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय बढ़ाने पर जताई सहमति

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत और रूस ने न्यायिक क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आपसी समन्वय बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों ने पहले हुए समझौतों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कदमों पर भी चर्चा की। यह बातचीत भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और रूस के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव के बीच शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम के इतर हुई।

भारत में रूसी दूतावास ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा, '4 सितंबर को दोनों देशों के सर्वोच्च न्यायिक संस्थानों के प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रयासों के समन्वय और पहले किए गए समझौतों को मजबूत करने की दिशा में निरंतर काम जारी रखने पर सहमति बनी।'

क्रास्नोव ने कहा कि विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के सिद्धांतों पर आधारित भारत-रूस सहयोग को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच 'गर्मजोशी भरे व्यक्तिगत और मैत्रीपूर्ण संबंधों' से भी मजबूती मिलती है। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच पहले हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) की सराहना की गई। रूसी पक्ष ने अगले दो वर्षों के लिए न्यायिक सहयोग के एक कार्यक्रम का मसौदा भी तैयार कर भारत को विचार के लिए सौंप दिया है। इसमें दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी कई पहलों को शामिल किया गया है। क्रास्नोव शुक्रवार को ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश फोरम में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव और अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। रूसी दूतावास के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान क्रास्नोव ब्रिक्स देशों के न्यायिक प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य कानूनी और न्यायिक सहयोग को मजबूत करना है। फोरम में न्याय व्यवस्था में एआई के इस्तेमाल पर भी विशेष चर्चा हो रही है। भारत का सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली में ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश फोरम की मेजबानी कर रहा है। यह आयोजन 4 सितंबर से शुरू हुआ और 6 सितंबर तक चलेगा।

फोरम में ब्रिक्स सदस्य देशों और साझेदार देशों के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान न्याय वितरण, अंतरराष्ट्रीय विवाद समाधान, तकनीक और सतत विकास से जुड़े समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में 'करेक्ट द मैप' प्रस्ताव का भारत ने किया समर्थन

विश्व केसरी■

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को 'करेक्ट द मैप' प्रस्ताव पारित कर दिया। दुनिया के नक्शों में देशों और महाद्वीपों के वास्तविक आकार को अधिक सटीक तरीके से दर्शाने के उद्देश्य को भारी बहुमत से मंजूरी दी। पक्ष में 164 देशों ने मतदान किया, जबकि अमेरिका ने इसके विरोध में वोट किया और छह देश मतदान से दूर रहे। भारत ने कहा कि वो इस मुद्दे पर तकनीकी और पद्धतिगत रूप से तटस्थ रुख का समर्थक है।

भारत ने कहा कि इस समर्थन को किसी एक खास नक्शा प्रणाली, जैसे इक्वल-एरिया मैप प्रोजेक्शन्स, के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भारतीय राजनयिक रघु पुरी ने कहा, 'भारत का मानना है कि प्रस्ताव को समान क्षेत्रफल वाले नक्शा प्रोजेक्शन्स के व्यापक इस्तेमाल और विचार को बढ़ावा देने के रूप में समझा जाना चाहिए, न कि इक्वल अर्थ या किसी अन्य विशेष प्रोजेक्शन के समर्थन के तौर पर। उन्होंने कहा, 'अलग-अलग मैप प्रोजेक्शन का इस्तेमाल अलग-अलग भौगोलिक विशेषताओं जैसे आकार, दिशा या दूरी को बेहतर तरीके से दर्शाने के लिए किया जाता है। ऐसे में भारत इस मुद्दे पर तकनीकी और पद्धतिगत रूप से तटस्थ रुख का समर्थक है।

पुरी के अनुसार, जब उद्देश्य महाद्वीपों के वास्तविक सापेक्ष क्षेत्रफल को दिखाना हो, तब इक्वल एरिया अप्रोच उपयोगी हो सकता है। इससे नक्शों में भूमि के आकार को लेकर पैदा होने वाली दिक्कतों को कम किया जा सकता है। भारत ने इसी सिद्धांत के आधार पर प्रस्ताव का समर्थन किया है, लेकिन किसी एक कार्टोग्राफिक मेथेडोलॉजी या प्रोजेक्शन को अनिवार्य बनाने का समर्थन नहीं किया है।

अफ्रीकी देशों की अगुवाई में लाए गए इस प्रस्ताव का मकसद खास तौर पर अफ्रीका के आकार को दुनिया के नक्शों में अधिक वास्तविक रूप में दिखाना है।

संक्षिप्त खबर

उत्तर कोरिया इस महीने यूएन जनरल असेंबली में उप मंत्री भेज सकता है

विश्व केसरी■

प्योंगयांग। इस साल की संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली की जनरल डिबेट 22-26 सितंबर और 28 सितंबर को होने वाली है। उत्तर कोरिया न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली में एक उप मंत्री स्तर का अधिकारी भेज सकता है। असेंबली में उप विदेश मंत्री किम सोन-ग्योंग भाषण दे सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सचिवालय द्वारा अपडेट की गई वक्ताओं की सूची के अनुसार, उत्तर कोरिया के एक उप मंत्री स्तर के अधिकारी 28 सितंबर को यूएन मुख्यालय में देश का प्रतिनिधित्व करने और भाषण देने वाले हैं। यह 81वीं यूएन जनरल असेंबली के उच्च-स्तर का आखिरी दिन है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया में कई उप विदेश मंत्री हैं, लेकिन किम, जो अंतरराष्ट्रीय संस्थान प्रभारी हैं, पिछले साल की तरह इसमें शामिल हो सकते हैं। पिछले साल, किम ने सात साल में पहली बार जनरल असेंबली में उत्तर कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। 2019 से 2024 तक, प्योंगयांग ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच 2019 हनोई बैठक के असफल रहने के बाद जनरल असेंबली में किसी उच्च स्तर के अधिकारी को नहीं भेजा।

सीरिया में बारूदी सुरंगों से बड़ा खतरा, संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। सीरिया में विस्फोटक हथियारों और बारूदी सुरंगों से लोगों की जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने इसको लेकर चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार को कहा कि विस्फोटकों से फैले प्रदूषण का असर सिर्फ लोगों के रहने की जगह पर ही नहीं, बल्कि उनके आने-जाने, काम करने और परिवार का पालन-पोषण करने के तरीके पर भी पड़ रहा है। ओसीएचए ने बताया, 'पिछले एक हफ्ते में सीरिया के छह प्रांतों में विस्फोटक हथियारों से जुड़ी एक दर्जन घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें छह बच्चे थे और 13 अन्य घायल हो गए। कार्यालय ने बताया कि सोमवार को डेयर एज-जोर प्रांत में एक लैंडमाइन की चपेट में एक नागरिक वाहन आ गया, जिसमें पांच बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य नागरिक घायल हो गए। रक्का प्रांत में सबसे ज्यादा धमाके दर्ज किए गए, जो उत्तरी सीरिया में युद्ध के बचे हुए विस्फोटकों के लगातार खतरे को दिखाता है। एक अन्य घटना में, मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी इदलिब प्रांत के बिन्निश शहर में गोला-बारूद से लदे एक वाहन में विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। सीरियाई अरब समाचार एजेंसी ने प्रांतीय आपातकालीन और आपदा प्रबंधन निदेशालय के हवाले से यह जानकारी दी। सीरियाई अरब समाचार एजेंसी के मुताबिक धमाके से शहर में कई और धमाके हुए।

पाकिस्तान का हर 16 में से एक बच्चा ऑनलाइन शोषण का शिकार : यूनिसेफ

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। यूनिसेफ ने पाकिस्तान में बच्चों के ऑनलाइन शोषण को लेकर फिक्र जाहिर की है। संस्थान की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 12-17 साल की उम्र के लगभग 15 लाख इंटरनेट यूजर एक साल में टेक्नोलॉजी के जरिए होने यौन शोषण और दुर्व्यवहार का शिकार हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक 16 में से करीब एक बच्चे ने इस ज्यादती को झेला है।

ये नतीजे 'डिसरप्टिंग हार्म इन पाकिस्तान: एविडेंस ऑन टेक्नोलॉजी-फैसिलिटेटेड चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज' (पाकिस्तान में नुकसान रोकना: टेक्नोलॉजी से बच्चों का यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मिले प्रमाण) नाम की हालिया रिपोर्ट से मिले हैं। इसे यूनिसेफ के ऑफिस ऑफ स्ट्रैटेजी एंड एविडेंस—इनोसेंटी, ईसीपीएटी इंटरनेशनल और इंटरपोल ने मिलकर तैयार किया था और इसके लिए 'सेफ

ऑनलाइन' से फंडिंग मिली थी।

यूनिसेफ के अनुसार, यह स्टडी 12-17 साल के बच्चों और उनके माता-पिता और देखभाल करने वालों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि घरेलू सर्वे और फ्रंटलाइन व न्याय क्षेत्र के पेशेवरों के साथ इंटरव्यू पर आधारित थी। इसमें पाकिस्तान में टेक्नोलॉजी के जरिए बच्चों के यौन शोषण और कदाचार के पैमाने और प्रकृति की जांच करने के लिए संबंधित कानूनों और नीतियों का भी विश्लेषण किया गया। इस रिसर्च में बच्चों के अनुभवों, उन हालात जिनमें दुर्व्यवहार हो सकता है, और मदद व सुरक्षा पाने में उन्हें आने वाली बाधाओं पर रोशनी डाली गई।

दर्ज किए गए अनुचित आचरण के तरीकों में 'अनचाही यौन तस्वीरें या बातचीत, निजी अंगों की तस्वीरें शेयर करने की मांग, बच्चों की मर्जी के बिना उनकी तस्वीरें शेयर करना, ऐसी तस्वीरों या यौन गतिविधियों से जुड़ी धमकियां या ब्लैकमेलिंग, और नकली तस्वीरें या वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल' शामिल है।

जापान: अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध बढ़ा, स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी■

टोक्यो। बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से थोड़े फिक्रमंद जापान को 11 साल बाद राहत भरी खबर मिली। ये खुश खबरी जनसंख्या वृद्धि को लेकर थी। इसमें विदेशी मूल के माता-पिता से जन्मे बच्चे भी शामिल बताए गए। इस बीच एक नई स्टडी ने विदेशियों के प्रति बढ़ती नाराजगी की ओर इशारा किया है। जापान में अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने को लेकर लोगों के रुख में बड़ा बदलाव सामने आया है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की ओर से किए गए एक पैनल अध्ययन के अनुसार, इस साल 56.3 फीसदी लोगों ने जापान में अधिक विदेशी निवासियों को स्वीकार करने का विरोध किया। यह आंकड़ा 2024 की तुलना में 20.7 प्रतिशत अंक अधिक है। क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि अध्ययन की खास बात यह है कि विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवा वर्ग में भी इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों को

लगता है कि जापानी समाज के भविष्य के लिए उम्मीद कम है, उनमें अधिक विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने का विरोध अपेक्षाकृत ज्यादा है।

टोक्यो विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के प्रोफेसर शिन अरिता ने कहा कि विदेशी नागरिकों को स्वीकार करने के मुद्दे पर नकारात्मक चर्चाओं की बढ़ती मौजूदगी, सामाजिक चिंता और असंतोष इस बदलाव के पीछे एक कारण हो सकता है। उनके अनुसार, समाज में मौजूद बेचैनी और असुरक्षा की भावना भी लोगों के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती है। यह अध्ययन एक पैनल सर्वेक्षण के तहत किया गया।

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम: ईरानी मुख्य न्यायाधीश ने 'निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जरूरत' पर दिया बल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ईरान के चीफ जस्टिस गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई ने शनिवार को ब्रिक्स सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन को मजबूत करने और किसी भी देश के खिलाफ आक्रामकता, राष्ट्रीय संप्रभुता के उल्लंघन तथा अंतरराष्ट्रीय अपराधों के खिलाफ दृढ़ रुख अपनाने का आह्वान किया।

नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों के मुख्य न्यायाधीशों की बैठक (ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए एजेई ने इस आयोजन की मेजबानी के लिए भारत सरकार और भारतीय न्यायपालिका का आभार जताया। उनके विचारों को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने साझा किया। फोरम में उन्होंने कहा, 'दुनिया को ऐसे निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें सभी देशों को समान माना जाए और उनकी

संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो।'

एजेई ने कहा, 'ब्रिक्स उभरती वैश्विक व्यवस्था को आकार देने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें कोई भी शक्ति खुद को कानून से ऊपर न समझे। मैं ब्रिक्स से कानून के पक्ष में एकजुट होकर खड़े होने की अपील करता हूं। ईरानी न्यायपालिका प्रमुख ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन तथा गैरकानूनी बताया। उन्होंने दावा किया, ' हमले के पहले ही दिन मिनाब के एक स्कूल में 168 स्कूली बच्चों समेत बड़ी संख्या में लोग मारे गए। अस्पतालों, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों, रिहायशी इलाकों और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमले किए गए जो निंदनीय है।' एजेई ने इन कार्रवाइयों को युद्ध अपराध का स्पष्ट उदाहरण बताया।

भारत-किरिबाती साझेदारी को मिली नई मजबूती, तरावा में वर्जिन कोकोनट ऑयल परियोजना शुरू

विश्व केसरी■

साउथ तरावा (किरिबाती)। भारत और प्रशांत द्वीपीय देश किरिबाती के बीच साझेदारी को नई दिशा देते हुए तरावा में 'वर्जिन कोकोनट ऑयल' (वीसीओ) प्रोजेक्ट शुरू किया गया। परियोजना का उद्देश्य किरिबाती के प्रचुर नारियल संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए अवसर पैदा करना है।

फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग के अनुसार, इस परियोजना को इंडिया-यूएन डेवलपमेंट पार्टनरशिप फंड से 9 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता मिली है और इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) लागू कर रहा है।

भारत की सहायता से किरिबाती के नोनौती और तेराइना द्वीपों में वर्जिन कोकोनट ऑयल

प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की सुविधा भी दी जाएगी।

भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'यह पहल किरिबाती के नारियल संसाधनों को अधिक मूल्य वाले उत्पादों में बदलने में मदद करेगी। इससे किसानों, महिला सहकारी समितियों और ग्रामीण समुदायों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। ये पहल भारत के दक्षिण-दक्षिण सहयोग के प्रति समर्पण को दर्शाती है। ' परियोजना की लॉन्चिंग समारोह में किरिबाती के राष्ट्रपति तानेती मामाउ, सरकार के वरिष्ठ नेता, यूएनडीपी के प्रतिनिधि, उद्योग जगत से जुड़े लोग और स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इससे किरिबाती में सतत आर्थिक विकास को लेकर साझा प्रतिबद्धता का संकेत मिला।

डीआर कांगो ने 180 दिन का इबोला रिस्पॉन्स प्लान लॉन्च किया, 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर फंड की मांग

विश्व केसरी■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और उसके सहयोगियों ने इबोला महामारी के खिलाफ चलाए जा रहे कैंपेन को और तेज करने के लिए एक अपडेटेड 180-दिन का मल्टीसेक्टोरल रिस्पॉन्स प्लान लॉन्च किया है। इसके लिए 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग का अनुमान लगाया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और दूसरे साझीदारों के सहयोग से, इस प्लान का मकसद अगले छह महीनों में रिस्पॉन्स के लिए ऑपरेशनल रोडमैप के तौर पर काम करना था। अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रिय कार्यालय के मुताबिक, 2 सितंबर

तक बुंडीबुग्यो वायरस की वजह से फैले आउटब्रेक के 6,342 मामले सामने आए थे और 3,072 मौतें हुई थीं। यह छह प्रांतों के 60 हेल्थ जोन में फैल गया है।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्वास्थ्य विभाग इस बात से खास तौर पर परेशान हैं कि ज्यादातर मौतें समुदाय में हो रही हैं। अक्सर उन लोगों की मौत हो रही है जिन्हें पहले कॉन्टैक्ट के तौर पर पहचाना नहीं गया था और जो मरने से पहले स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचे थे। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ की कार्यकारी प्रतिनिधि ऐनी एंसिया ने कहा, 'हर मामला जो बहुत देर से पता चलता है, हर कॉन्टैक्ट छूट जाता है, और रिसोर्स जुटाने में हर देरी से जानें जाती हैं।

सूडान के साउथ कोर्डोफान में दो अलग-अलग हमलों में 26 लोगों की मौत

विश्व केसरी■

खार्तूम। सूडान के साउथ कोर्डोफान राज्य में दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 26 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए हैं।

एक वॉलंटियर ग्रुप 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक बयान में कहा कि गुरुवार दोपहर 'सूडान पीपल्स लिबरेशन मूवमेंट-नॉर्थ' (एसपीएलएम-एन) की सेनाओं ने कौडा के दक्षिण और पश्चिम में स्थित डेबी और लुवैरी पर हमला किया। एसपीएलएम-एन, पैरामिलिट्री 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आरएसएफ) की सहयोगी है। इस हमले में महिलाओं और बच्चों समेत 21 से

ज़्यादा लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

नेटवर्क ने एक अलग बयान में कहा कि शुक्रवार तड़के एक और घटना में एसपीएलएम-एन की सेनाओं की गोलाबारी की चपेट में आने से डिलिंग शहर में एक बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटवर्क ने डेबी और लुवैरी पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे अगस्त के आखिर में हुए सीजफायर समझौते का उल्लंघन बताया और एसपीएलएम-एन पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

डेबी के एक ग्रामीण अस्पताल के मेडिकल सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि अस्पताल में 20 से ज़्यादा शव और 11 घायल लोग लाए गए हैं, जबकि मानवीय हालात बिगड़ने के डर से आम लोग इलाका छोड़कर भाग रहे हैं। डिलिंग में एक चश्मदीद ने सिन्हुआ को बताया कि रिहायशी इलाकों में तोप के गोले गिरे, जिससे लगभग पांच आम नागरिकों की मौत हो गई।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में अपने पुराने स्कूल का किया दौरा

शिक्षकों की भूमिका की सराहना की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली/पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को शिक्षकों के योगदान की सराहना की और अपने गुरु पद्मश्री आचार्य किशोर कुणाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पटना स्थित अपने स्कूल का दौरा किया।

नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'देश भर के सभी समर्पित शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं, जिनकी बुद्धिमत्ता और मार्गदर्शन जिम्मेदार नागरिकों और एक मजबूत समाज का निर्माण करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। एक प्रख्यात दार्शनिक और शिक्षाविद, उनकी विशाल विरासत ज्ञान की हमारी खोज को प्रेरित करती रहती है।' पटना स्थित अपने पैतृक विद्यालय ज्ञान निकेतन स्कूल की यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'आज शिक्षक दिवस के अवसर पर पटना के ज्ञान निकेतन स्कूल में मैंने अपने गुरु पद्म श्री आचार्य किशोर कुणाल की प्रतिमा का अनावरण किया और उपस्थित

शिक्षकों, छात्रों और विशिष्ट अतिथियों को संबोधित किया।'

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'ज्ञान निकेतन और आचार्य किशोर कुणाल से जुड़ी मेरी अनगिनत यादें आज भी जीवंत हैं। विद्यालय के पहले बैच के छात्र के रूप में शिक्षक दिवस पर अपने गुरु की प्रतिमा का अनावरण करना मेरे लिए एक बेहद भावुक और विशेष क्षण था।'

उन्होंने आगे कहा, 'आचार्य किशोर कुणाल का जीवन समाज के प्रति सेवा, समर्पण और उत्तरदायित्व का एक अनूठा उदाहरण है। शिक्षा, प्रशासन, धर्म और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में उनके योगदान ने समाज पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनका व्यक्तित्व और विचार आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।'

इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन से परे जाकर उनके व्यवहार और रोजमर्रा की जिंदगी पर भी ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने परंपरागत संयुक्त परिवार व्यवस्था में कमी का जिक्र करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है।

नशीली दवाओं के मुद्दे का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने शिक्षकों से बच्चों में होने वाले बदलावों के प्रति सतर्क रहने, कारण की पहचान करने और ऐसे बच्चों को इस आदत से उबरने में मदद करने का आह्वान किया।

आर्मी वॉर कॉलेज के अधिकारियों ने पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा किया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आर्मी वॉर कॉलेज, महू में संचालित हायर कमांड कोर्स-55 के अधिकारियों ने पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा कर कमान के परिचालन माहौल, रणनीतिक प्राथमिकताओं और युद्धक तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान अधिकारियों को पश्चिमी कमान के संचालन, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। खड़गा कोर द्वारा दी गई विशेष ब्रीफिंग के माध्यम से अधिकारियों को पश्चिमी मोर्चे पर मौजूद क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों, बहु-क्षेत्रीय (मल्टी-डोमेन) तैयारियों और निरंतर युद्धक क्षमता बनाए रखने के उपायों की गहन जानकारी मिली।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में अधिकारियों और सैन्य नेतृत्व के बीच खुली और सार्थक चर्चा हुई। इसमें वर्तमान परिचालन परिस्थितियों, उभरते सुरक्षा रुझानों तथा भविष्य की तैयारियों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया, जिससे अधिकारियों की समझ और अधिक गहरी हुई।

अधिकारियों से संवाद करते हुए पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, एवीएसएम, एसएम ने भविष्य के सैन्य नेतृत्व को आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के प्रति चुस्त, नवाचार समर्थ और पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में सफलता के लिए आलोचनात्मक चिंतन (क्रिटिकल थिंकिंग), नई प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता, संयुक्तता (जॉइंटमैनशिप), और परिस्थितियों के अनुसार नेतृत्व शैली में बदलाव करने की योग्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बदलते युद्ध स्वरूप और तकनीकी विकास को देखते हुए सैन्य नेतृत्व को निरंतर सीखने और स्वयं को अद्यतन रखने की आवश्यकता है, ताकि किसी भी परिस्थिति का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

भारतीय सेना के अनुसार, यह संवाद अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा, जिसने अधिकारियों को रणनीतिक स्तर पर स्पष्टता प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य के सक्षम और तैयार सैन्य कमांडरों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महिला विधायकों के लिए 'शी इज अ चेंजमेकर' कार्यशाला आयोजित करेगा राष्ट्रीय महिला आयोग

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) 7-8 सितंबर को हरियाणा के फरीदाबाद स्थित ताज सूरजकुंड में महिला विधायकों के लिए 'शी इज अ चेंजमेकर' शीर्षक से जेंडर-रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस (लैंगिक संवेदनशील शासन) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन करेगा।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यशाला में देश के लगभग 22 राज्यों की महिला विधायक हिस्सा लेंगी। इस दौरान महिला नेतृत्व और लैंगिक संवेदनशील शासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में प्रभावी जन नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता, जेंडर बजटिंग, महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, संकटग्रस्त महिलाओं के लिए सहायता तंत्र, महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा महिला आर्थिक सशक्तिकरण और जमीनी नेतृत्व को बढ़ावा देने में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि एक समावेशी, संवेदनशील और समानता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए शासन व्यवस्था में महिलाओं की सार्थक भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिला विधायक नीति निर्माण और सार्वजनिक निर्णय प्रक्रिया में अपने अनुभवों तथा दृष्टिकोण के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि 'शी इज अ चेंजमेकर' पहल के माध्यम से आयोग महिला जनप्रतिनिधियों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने और उन्हें शासन में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए आवश्यक ज्ञान, संसाधन और मंच उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है। रहाटकर ने कहा कि जेंडर-रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस केवल महिलाओं के लिए नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि समाज को प्रभावित करने वाले निर्णयों और नीतियों के निर्माण में महिलाएं समान भागीदार बनें। कार्यशाला का उद्देश्य महिला विधायकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकें, नेतृत्व कौशल को मजबूत बना सकें और लैंगिक संवेदनशील शासन के प्रभावी मॉडल पर विचार-विमर्श कर सकें। इसके साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से नीति निर्माण, संस्थागत व्यवस्थाओं और क्रियान्वयन तंत्र से जुड़ी समझ को भी मजबूत किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक जीवन और शासन में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा मिल सके।

एमसीडी शिक्षक सम्मान समारोहः हर्ष मल्होत्रा बोले- कमजोर वर्ग के बच्चों के भविष्य को गढ़ रहे शिक्षक

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा दिल्ली अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन सत्या शर्मा और मेयर प्रवेश वाही मौजूद रहे। इस दौरान निगम के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने, शिक्षकों की भूमिका और बच्चों के भविष्य को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया।

भाजपा दिल्ली अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शिक्षक दिवस पर देशभर के शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन को देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षकों को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि गुरु अपने विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने का काम करते हैं और उनके प्रयासों से देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में रहता है।

हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली नगर निगम ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें शिक्षकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निगम के स्कूलों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे पढ़ते हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर या अभावग्रस्त परिवारों से आते हैं। ऐसे बच्चों के भविष्य निर्माण में निगम के शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चे की बुनियादी शिक्षा मजबूत होगी, तभी वह आगे की पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर पाएगा। एमसीडी केवल बच्चों को शिक्षा देने का काम नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें भारतीय संस्कारों से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी की चेयरमैन सत्या शर्मा ने शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों और पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक का हर व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। व्यक्ति जीवन में चाहे जिस पद या मुकाम तक पहुंचे, उसके निर्माण में किसी न किसी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका जरूर रहती है।

स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी पर सपा सांसद नदवी का हमला

बोले-संवैधानिक जिम्मेदारी नहीं निभा रही सरकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी पर समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. मोहिबुल्लाह नदवी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद अफसोसनाक और शर्मनाक है कि संवैधानिक पदों पर बैठे जिम्मेदार लोग संविधान की रक्षा की शपथ लेकर भी उसका पालन नहीं कर रहे हैं। सपा सांसद ने कहा कि सच बोलने वालों पर कार्रवाई में सुस्ती दिखाई जाती है, जबकि सजा के बाद रिहा होने वाले मुजरिमों का माला पहनाकर स्वागत किया जाता है, जो हिंदुस्तानी समाज की संस्कृति में नहीं है। सपा सांसद डॉ. मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा, 'जिस तरह से दिल्ली में छात्रों के आंदोलन पर पुलिस का जो रवैया रहा, विपक्ष के सभी लोग उसकी निंदा कर रहे हैं। खासतौर से समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव इस बात पर सबसे ज्यादा जोर देते हैं कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना हो। छात्र हमारे देश के भविष्य है। महिलाओं के खिलाफ अपमान का मामला पेश आया है। ये सिलसिला रुक नहीं रहा है। दो महिला पत्रकार मुख्यमंत्री से कुछ सवाल कर रही थीं तो उनको न सिर्फ मारा गया, बल्कि उनके अपमान में कोई कमी नहीं छोड़ी गई।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकार चौथे स्तंभ कहे जाते हैं।

छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान आरएसएस-भाजपा के लोगों ने की हिंसा : वी शिवदासन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सीपीआई (एम) के सांसद वी शिवदासन ने स्वतंत्र भारद्वाज पर पुलिस की कार्रवाई, राम मंदिर ट्रस्ट के नए सीईओ जितेंद्र मिश्रा की नियुक्ति, हल्द्वानी में कथित 'शुद्धिकरण' विवाद और झारखंड में छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन मामलों को लेकर केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए। स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए वी शिवदासन ने आरोप लगाया कि छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान आरएसएस और भाजपा से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों ने छात्रों के खिलाफ हिंसक तरीके अपनाए और उन्हें सत्ता का संरक्षण मिला। यह देश की कानून-व्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। भारद्वाज ने सार्वजनिक रूप से कुछ घटनाओं में अपनी भूमिका की बात कही और भाजपा नेताओं के साथ अपने संपर्कों का भी उल्लेख किया। चिराग पासवान समेत कुछ भाजपा नेताओं ने इस मामले में पुलिस से शिकायत की है, लेकिन भाजपा नेतृत्व और आरएसएस की ओर से स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने दिल्ली पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिवदासन ने आरोप लगाया कि भारद्वाज ने अपने वीडियो में पुलिस और राजनीतिक संपर्कों के प्रभाव का संकेत दिया था। यदि किसी व्यक्ति के राजनीतिक या पुलिस अधिकारियों से संपर्क हैं, तो भी कानून सभी के लिए समान रूप से लागू होना चाहिए।

शाहदरा में स्मैक के साथ ड्रग पेडलर गिरफ्तार, स्नैचिंग और वाहन चोरी के मामले का खुलासा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 282 ग्राम स्मैक के साथ एक ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है। शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि आरोपी की पहचान रॉकी उर्फ प्रदीप के रूप में हुई है। वह नंद नगरी का रहने वाला है और उसकी उम्र 25 वर्ष है। आरोपी के खिलाफ पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें सभी एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामले बताए गए हैं।

डीसीपी ने बताया कि यह कार्रवाई शाहदरा एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने की। आरोपी के कब्जे से बरामद स्मैक की मात्रा वाणिज्यिक श्रेणी में आती है। जिस स्कूटी से आरोपी मौके पर पहुंचा था, उसे भी चाबी सहित जब्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि 2 सितंबर को शाहदरा एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि 'रॉकी' नाम का एक ड्रग पेडलर सीमापुरी के डियर पार्क इलाके में नशीले पदार्थ की सप्लाई करने के लिए आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और ट्रैप लगाया। कुछ समय बाद एक संदिग्ध व्यक्ति वहां पहुंचा। कानूनी प्रक्रिया के तहत उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से 282 ग्राम स्मैक बरामद होने का दावा किया गया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास मौजूद स्कूटी को भी जब्त कर लिया गया। डीसीपी ने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली और एनसीआर में नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था।

महिला विधायकों के लिए एनसीडब्ल्यू करेगा कार्यशाला का आयोजन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की चरफ से 7-8 सितंबर को फरीदाबाद में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। 'शी इज ए चेंजमेकर' नाम से इस कार्यशाला की अध्यक्ष एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर करेंगी। इस कार्यशाला आयोजन महिला विधायकों के लिए लैंगिक समानता को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। दो दिवसीय कार्यशाला में लगभग 22 राज्यों की महिला विधायक महिला नेतृत्व और लैंगिक समानता को ध्यान में रखते हुए शासन के प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आएंगी। इस कार्यक्रम में प्रभावी सार्वजनिक नेतृत्व और निर्णय लेने, लैंगिक बजट निर्धारण, महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, संकटग्रस्त महिलाओं के लिए सहायता तंत्र, महिला-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और जमीनी स्तर के नेतृत्व को आगे बढ़ाने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस पहल के बारे में बात करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की विजया रहाटकर ने कहा कि समावेशी, उत्तरदायी और न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए शासन में महिलाओं की सार्थक भागीदारी आवश्यक है। महिला विधायक नीति निर्माण और सार्वजनिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में बहुमूल्य दृष्टिकोण और व्यक्तिगत अनुभव लाती हैं। 'शी इज अ चेंजमेकर' के माध्यम से, राष्ट्रीय महिला आयोग उनकी नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना चाहता है और उन्हें शासन में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने के लिए आवश्यक ज्ञान, उपकरण और मंच प्रदान करना चाहता है। लैंगिक रूप से उत्तरदायी शासन केवल महिलाओं के लिए नीतियों के बारे में नहीं है; यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि महिलाएं उन नीतियों और निर्णयों को आकार देने में समान भागीदार हों जो हमारे समाज को परिभाषित करते हैं।

सिख युवक को 'हिरासत में यातना' को लेकर भाजपा ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंजाब के संगरूर में मुख्यमंत्री भगवंत मान के एक कार्यक्रम के दौरान काला झंडा दिखाने वाले सिख युवक को कथित तौर पर हिरासत में यातना दिए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए मामले की जांच की मांग की है।

भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो संदेश में भाजपा सांसद ने कहा कि यदि यह सत्य है कि एक व्यक्ति को पुलिस कस्टडी में मारा जा रहा था और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान उसे सीधे देख रहे थे, तो पंजाब सरकार को इस पर दो टूक सफाई देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आरोप सीधे मुख्यमंत्री पर है। इसलिए उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि उस समय वास्तव में क्या हुआ था और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच करानी चाहिए। कॉल रिकॉर्ड, उस समय की डिजिटल लाइव कॉल और अन्य साक्ष्यों से सच्चाई सामने आ सकती है। अगर पंजाब सरकार इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं देती है, तो यह गंभीर सवाल खड़े करता है कि उसकी संवैधानिक मूल्यों, मानवाधिकारों और कानून की प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता कितनी है।

भाजपा सांसद ने कहा कि ऐसे मामलों में संविधान और कानून की मर्यादा की रक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं स्वाभाविक हैं। इससे पहले सुधांशु त्रिवेदी ने सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई और झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) मामले को लेकर शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

एआई बूम से 2025 में वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड 15 ट्रिलियन डॉलर के पार

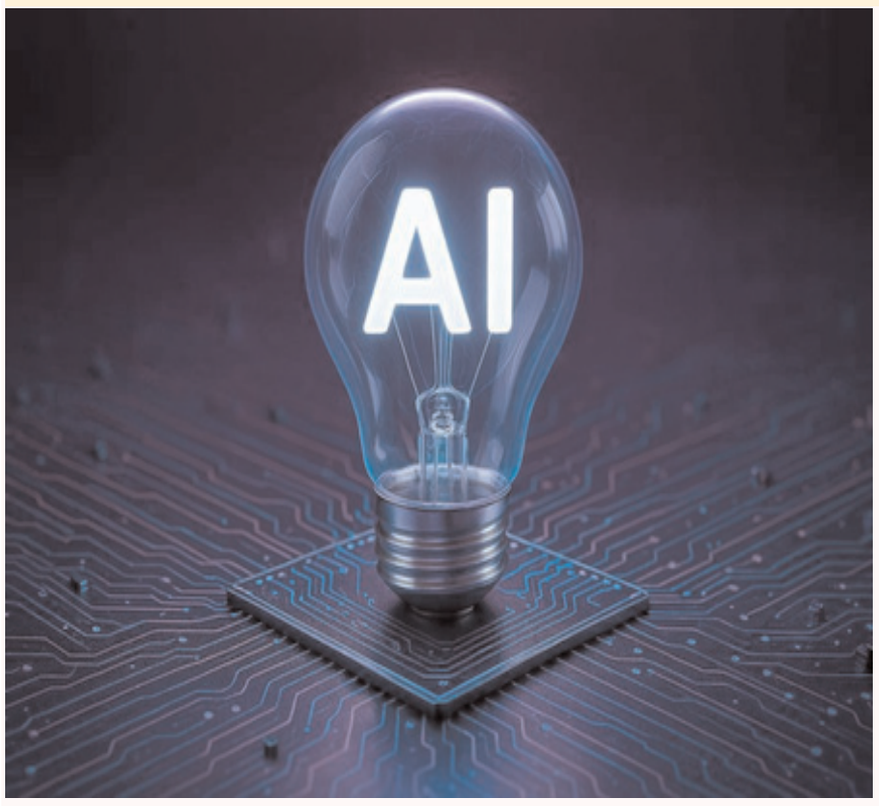

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आई तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत बढ़त है, जिससे अरबपतियों की संख्या के साथ-साथ उनकी संपत्ति में भी तेज वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या 2025 के दौरान 8.2 प्रतिशत बढ़कर 3,795 हो गई, जो पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े निवेशों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

अल्ट्राटा ने कहा कि अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में एआई बूम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने भी उनकी संपत्ति बढ़ाने में मदद की। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलॉजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है।

रिपोर्ट में 150 सूचीबद्ध कंपनियों की पहचान की गई, जिन्होंने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिछले पांच वर्षों में एआई में कम से कम 3 करोड़ डॉलर का निवेश करने वाली कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिन्होंने इस तरह का निवेश नहीं किया था।

इस दौरान अल्ट्रा-रिच लोगों के बीच संपत्ति का केंद्रीकरण भी तेजी से बढ़ा है। अल्ट्राटा ने 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले 29 लोगों की पहचान की है और उन्हें 'सुपर अरबपति' कहा है।

इनकी कुल संपत्ति 4.1 ट्रिलियन डॉलर थी, जो दुनियाभर के अरबपतियों की कुल संपत्ति का करीब 27 प्रतिशत है।

पिछले एक दशक में संपत्ति का यह केंद्रीकरण काफी बढ़ा है। 2017 में सिर्फ 10 लोगों के पास 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति थी और उनकी संयुक्त संपत्ति वैश्विक अरबपतियों की कुल संपत्ति का केवल 7.2 प्रतिशत थी।

अल्ट्राटा में थॉट लीडरशिप और एनालिटिक्स की प्रमुख माया इम्बर्ग ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में से कई की संपत्ति पर भविष्य में एआई सेक्टर में होने वाले घटनाक्रम का प्रभाव और अधिक एक साथ देखने को मिल सकता है।

2025 में अरबपतियों की संख्या के मामले में उत्तरी अमेरिका सबसे आगे रहा। इस क्षेत्र में अरबपतियों की संख्या 11.6 प्रतिशत बढ़कर 1,337 हो गई। निजी और शेयर बाजार में सूचीबद्ध दोनों तरह के टेक्नोलॉजी बाजारों में अमेरिका की मजबूत स्थिति ने इस वृद्धि में योगदान दिया।

यूरोप में 1,081 अरबपति थे, जहां अरबपतियों की संख्या में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, एशिया में 881 अरबपति रहे, जिनकी संख्या साल के दौरान 6.5 प्रतिशत बढ़ी।

विदेश में जन्मे लोगों की हिस्सेदारी लंदन के अरबपतियों में करीब 60 प्रतिशत, पूरे ब्रिटेन में 48 प्रतिशत, सैन फ्रांसिस्को में 41 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 19 प्रतिशत है।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

राज्यपाल ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने शुक्रवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए अपने सबसे भारी अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट, ईओएस-05, को सफलतापूर्वक लॉन्च करने और उसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करने की बड़ी उपलब्धि हासिल की।

राज्यपाल ने कहा कि यह मिशन भारत के लिए अपना पहला डेडिकेटेड इमेजिंग सैटेलाइट हासिल करने जैसा है, जो लगातार निगरानी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। इससे इसरो की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए गर्व का पल बताया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च और ईओएस-05 को उसकी तय कक्षा (ऑर्बिट) में सही ढंग से स्थापित करने के लिए इसरो को बधाई। यह शानदार उपलब्धि भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं की ताकत और हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के समर्पण को दिखाती है। भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए इसरो की पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस लॉन्च को पृथ्वी से सितारों तक भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर बताया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पवन कल्याण ने कहा, 'भारत लगातार नई संभावनाएं तलाश रहा है। जीएसएलवी-एफ17 मिशन की सफलता और ईओएस-05 को उसकी तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करना इसरो के लिए एक और शानदार उपलब्धि है। ईओएस-05 जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, जो हमारी पृथ्वी की निगरानी करने की क्षमताओं को मजबूत करता है। इसरो के शानदार वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और इस ऐतिहासिक मिशन में शामिल सभी लोगों को हार्दिक बधाई।

पवन कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयां छू रहा है, जिससे हमारे युवाओं को प्रेरणा मिल रही है और दुनिया के प्रमुख अंतरिक्ष देशों के बीच हमारी स्थिति मजबूत हो रही है।

छोटी सी लौंग सेहत के लिए बड़े काम की, दांत दर्द से लेकर मुंह की बदबू तक में देती है राहत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। लौंग भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाला ऐसा मसाला है, जो भले ही साइज में छोटा दिखे, लेकिन इसमें कई तरह के प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं। चाय से लेकर सब्जी तक, लौंग का इस्तेमाल स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है। सर्दी-जुकाम या दांत में दर्द होने पर भी लोग अक्सर लौंग का इस्तेमाल करते हैं।

वैज्ञानिक रिसर्च की मानें, तो इसमें मौजूद कई ऐसे तत्व है, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। खासतौर पर इसमें मौजूद यूजेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स और दूसरे पौधों से मिलने वाले रसायन इसके खास गुण हैं।

लौंग का सबसे ज्यादा फायदा दांत के दर्द में माना जाता है। लौंग में मौजूद यूजेनॉल दर्द को कुछ समय के लिए कम करने में मदद करता है। यही वजह है कि दांतों के इलाज में भी यूजेनॉल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर कभी हल्का दांत दर्द हो तो लोग लौंग को दांत के पास रखने का घरेलू तरीका अपनाते हैं। इससे कुछ समय के लिए आराम मिलता है। लेकिन अगर दर्द

ज्यादा है, मसूड़ों में सूजन है या दांत में इन्फेक्शन है, तो डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

लौंग मुंह की सफाई के लिए भी फायदेमंद होती है। इसमें ऐसे गुण पाए जाते हैं जो कुछ तरह के बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। खाना खाने के बाद एक लौंग चबाने से मुंह में ताजगी बनी रहती है। हालांकि, लौंग चबाना ब्रश करने या दांतों की सही सफाई का विकल्प नहीं है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। दरअसल, हमारे शरीर में कुछ ऐसे कण बनते हैं जो ज्यादा होने पर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट इनसे शरीर को बचाने में मदद करते हैं। लौंग में मौजूद यूजेनॉल और दूसरे प्राकृतिक तत्व इस काम में मदद करते हैं। इसी कारण लौंग को शरीर के लिए फायदेमंद मसालों में गिना जाता है। लौंग में सूजन कम करने वाले गुण भी पाए गए हैं। शरीर में चोट या किसी परेशानी के कारण सूजन होना आम बात है। रिसर्च में लौंग के कुछ तत्वों ने ऐसी प्रक्रियाओं को कम करने की क्षमता दिखाई है, जिनकी वजह से शरीर में सूजन होती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि किसी बीमारी या ज्यादा सूजन का इलाज सिर्फ लौंग से किया जा सकता है। इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी होती है। लौंग और ब्लड शुगर को लेकर भी वैज्ञानिकों ने रिसर्च की है। एक रिसर्च में 13 स्वस्थ और प्री-डायबिटिक लोगों को 30 दिनों तक रोजाना 250 मिलीग्राम पानी में घुलने वाला लौंग का पॉलीफेनॉल एक्सट्रैक्ट दिया गया। रिसर्च में खाने से पहले और खाने के बाद ब्लड ग्लूकोज में कमी देखने को मिली।

शरीर को लचीला और मन को शांत बनाता है हलासन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। व्यस्त दिनचर्या और तनाव के कारण रीढ़ की हड्डी और पाचन संबंधित समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में योगासन और सही खान-पान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बेहतर उपाय हो सकता है। योग के विभिन्न आसनों में 'हलासन' कई समस्याओं का एक अचूक और प्राकृतिक समाधान है।

'हलासन', हल शब्द से लिया गया है। हल यानी खेती के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला औजार, जैसे की हर खेत को बीज बोने के लिए तैयार करता है, ठीक उसी तरह हलासन शरीर और दिमाग को गहरी कायाकल्प के लिए तैयार करता है।

आयुष मंत्रालय ने हलासन को उन्नत योगासन बताया है। उनके अनुसार, हलासन के नियमित अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में व्यापक सुधार देखने को मिलता है। यह आसन गर्दन, कंधे, पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

इसी के साथ ही, यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करने, पाचन में सुधार करने और तनाव व थकान को कम करने में अत्यधिक फायदेमंद होता है।

इसे नियमित रूप से करने पर त्वचा में चमक देखने को मिल सकता हैं। हलासन में शरीर का निचला हिस्सा ऊपर की ओर जाता है और पैरों को सिर के पीछे जमीन पर टिकाने की कोशिश की जाती है। इस स्थिति में शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बदल जाता है, जो चेहरे के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

यह आसन दिखने में थोड़ा कठिन भले ही होता है, लेकिन इसे करना बहुत आसान होता है। यह न सिर्फ शरीर में लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि पाचन, रीढ़ की हड्डी और तनाव जैसी कई समस्याओं में भी फायदेमंद माना जाता है। इसी के साथ ही, यह थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करने और शरीर के चक्रों को संतुलित करने के लिए जाना जाता है।

सही तकनीक और सावधानी के साथ किया गया हलासन शरीर को नवजीवन और आंतरिक ऊर्जा प्रदान करता है।

यह आसन करने में बेहद आसान हैं और नियमित रूप से करने पर शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे। हालांकि, गर्भवती महिलाओं, हाई ब्लड प्रेशर या गर्दन, पीठ दर्द की समस्या वाले व्यक्तियों को यह आसन करने से बचना चाहिए। शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

झारखंडः गढ़वा में डेंगू ने दी दस्तक, एक व्यापारी की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

विश्व केसरी

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले में डेंगू ने दस्तक दे दी है। जिले में अब तक डेंगू से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, जबकि एक मरीज ठीक होकर घर लौट चुका है। डेंगू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है और इससे निपटने के लिए सदर अस्पताल में 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी तैयार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले दस दिनों में गढ़वा जिले में डेंगू के कई मरीजों में लक्षण पाए गए हैं, जिनमें से दो मामले सामने आए हैं। इनमें जिले के एक बड़े व्यवसायी की डेंगू जैसी बीमारी की चपेट में आने से मौत हो गई। हालांकि उस मरीज का इलाज सरकारी अस्पताल में नहीं कराया गया था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि की है कि उस व्यवसायी की मौत डेंगू से ही हुई थी।

वहीं दूसरी ओर, एक और मरीज में डेंगू के लक्षण मिलने पर उसका इलाज कर उसे ठीक करके घर भेज दिया गया है। जिले में डेंगू के मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

इस मामले पर गढ़वा के सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ कैनेडी ने कहा, 'यह बहुत दुख की बात है कि एक व्यक्ति की मौत डेंगू से हुई है।

उन्होंने हमारे किसी भी सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं कराया, वे सीधे डालटनगंज (अब आधिकारिक रूप से मेदिनीनगर) चले गए थे। हमारे जिले में जो जांच हुई है, उसमें केवल एक-दो जांच ही डेंगू के लिए पॉजिटिव आई हैं।

सिविल सर्जन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यह समय और मौसम दोनों ही डेंगू का है, इसलिए लोगों को इससे बचने के लिए अपने घरों के आसपास पानी नहीं जमने देना चाहिए और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जिले में एक-दो छिटपुट केस आए थे, जिन्हें ठीक कर दिया गया है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है और हर परिस्थिति के लिए तैयार है।

जम्मू-कश्मीर एफडीए ने घी के 10 बैचों की बिक्री, भंडारण और वितरण पर रोक लगाई

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने रविवार को घी के 10 गैर-मानक ब्रांडों की बिक्री, भंडारण और वितरण पर रोक लगा दी।

जम्मू-कश्मीर एफडीए द्वारा जारी एक आदेश में केंद्र शासित प्रदेश में घी के 10 चिन्हित ब्रांडों/बैचों की बिक्री, भंडारण, वितरण और प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। एफडीए ने ये एक्शन तब लिया, जब प्रयोगशाला विश्लेषण में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले, असुरक्षित और गलत तरीके से ब्रांडेड पाए गए।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत की गई है।

गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला के अधिसूचित खाद्य विश्लेषक और कश्मीर स्थित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है।

प्रतिबंधित उत्पादों में डेयरी मोहन, अपना डेयरी मिल्क, मिल्क बाइट, नंदनी, शाही ताज, दावत फ्रेश, नंद कृष्णा, वंदू, डेयरी मिल्क और मोहन डेयरी शामिल हैं।

जम्मू और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों, जिनमें अनंतनाग, शांगस, लारनू, बिजबेहरा, सांबा, कठुआ, जम्मू, ट्राल और पंपोर शामिल हैं, से एकत्र किए गए नमूनों में प्रभावित बैचों का पता चला।

जिन उत्पादों में असामान्यता पाई गई उनमें डेयरी मोहन देसी घी (बैच संख्या 5), अपना डेयरी मिल्क देसी घी (बैच संख्या डीएम-6), मिल्क बाइट काऊ घी (बैच संख्या 137), नंदनी देसी घी (बैच संख्या एनडी-28), शाही ताज देसी घी (बैच संख्या 134), दावत फ्रेश (बैच संख्या वीटी09), नंद कृष्णा काऊ घी (बैच संख्या पीसी-05-26), वंदू काऊ घी (बैच संख्या डी143), डेयरी मिल्क देसी घी (बैच संख्या ओएम12), और मोहन डेयरी घी (बैच संख्या 6) शामिल हैं।

तमिलनाडु में डेंगू और स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़े, डेंगू के 13,573 मामले सामने आए और नौ लोगों की मौत

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले साल की तुलना में डेंगू और स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसे देखते हुए डॉक्टर अधिक सावधानी बरतने और बचाव के कड़े उपाय करने की सलाह दे रहे हैं।

जन स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि 1 जनवरी से 30 अगस्त 2026 के बीच राज्य भर में डेंगू के 13,573 मामले सामने आए और नौ लोगों की मौत हुई।

हालांकि मौत की दर अभी भी

काफी कम है, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स जुलाई और अगस्त के दौरान संक्रमण के मामलों में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी को लेकर चिंतित हैं।

जनवरी में डेंगू के 1,722, फरवरी में 1,322, मार्च में 1,228, अप्रैल में 1,201 और मई में 1,062 मामले सामने आए। जून में मामलों में फिर से बढ़ोतरी शुरू हुई, जब संक्रमण के 1,384 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद जुलाई में 2,339 और अगस्त में 3,315 मामले सामने आए।

पिछले साल की तुलना में यह बढ़ोतरी काफी अहम है। पिछले साल जुलाई में डेंगू के 1,880 मामले थे जो इस साल जुलाई में बढ़कर 2,339 हो गए, जबकि अगस्त में संक्रमण के मामले 1,832 से बढ़कर 3,315 हो गए।

चेन्नई में सबसे ज़्यादा मामले सामने आए हैं।

विमेंस जूनियर एशिया कप 2026

जीत के साथ भारत का अभियान शुरू

भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया

गत चैंपियन भारत ने मोकी में खेले गए मैच में साउथ कोरिया को 4-1 से शिकस्त दी। सानिका, पूर्णिमा, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल दागे।

एजेंसी ■

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर विमेंस हॉकी टीम ने शनिवार को जीत के साथ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की। गत चैंपियन ने मोकी में खेले गए इस मैच में साउथ कोरिया को 4-1 से शिकस्त दी। भारत ने विमेंस जूनियर एशिया कप के पिछले दो संस्करण जीते हैं।

साउथ कोरिया के खिलाफ भारत ने पूरे मैच में संयमित और दबदबे वाला खेल दिखाया। भारत की तरफ से सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल दागे। वहीं, कोरिया के लिए किल गैबिन ने सांत्वना गोल किया।

भारत ने पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। मुकाबले के 8वें मिनट में सानिका चंद्रकांत माने ने गोल करके भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय टीम ने साउथ कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन वे किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाए। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी अपना आक्रामक रुख जारी रखते हुए शुरुआती पांच मिनटों के भीतर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। शुरुआती प्रयास के बाद उन्हें एक री-पीसी (दोबारा पेनाल्टी कॉर्नर) मिला, लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका।

साउथ कोरिया ने बढ़ते दबाव के साथ जवाबी हमला किया और बराबरी का गोल करने की कोशिश में 5 मिनट के भीतर लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने विपक्षी खेमे के इरादों पर पानी फेर दिया।

इसके बाद भारत ने खेल पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और दूसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में एक और पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस बार, भारतीय टीम ने एक बेहतरीन रणनीति अपनाई और पूर्णिमा यादव ने 30वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया, जिससे टीम हाफ-टाइम में 2-0 की बढ़त के साथ गई।

साउथ कोरिया तीसरे क्वार्टर में नए इरादे के साथ उतरा और मैच में वापसी की कोशिश की। हालांकि, भारत का डिफेंस दबाव में भी मजबूत बना रहा। भारत की लगातार कोशिशों का फल तीसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में मिला जब उन्होंने एक और पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया।

यूएस ओपनः बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।

23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी।

इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं। टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी।

टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाइटी 2026 में नूरजहां का जलवा, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। भारत की स्टार पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी नूरजहां नूरअली जमानी ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाइटी 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने क्लास 7 सिंगल्स में सिल्वर मेडल और क्लास 7 स्टैंडिंग डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इन दो मेडल की बदौलत नूरजहां को विश्व रैंकिंग में भी बड़ा फायदा मिला। वह 8 स्थान की छलांग लगाकर 19वें नंबर पर पहुंच गई हैं। पजुलाहटी ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में खेलते हुए नूरजहां को सिंगल्स मुकाबले में शुरुआत में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई। उन्होंने जर्मनी की बिरगिट बॉमगार्टनर के खिलाफ 0-3 की हार के साथ शुरुआत की, लेकिन आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर के खिलाफ 3-0 से जीत हासिल करके वापसी की। उनका सबसे मुश्किल सिंगल्स मुकाबला मकाऊ की यू चोई होंग के खिलाफ था, जहां नूरजहां ने आखिरी दो गेम 13-11, 13-11 से जीतकर 3-2 से जीत हासिल की और सिल्वर मेडल पक्का किया।

नूरजहां नूरअली जमानी ने शिवम पाल के साथ मिलकर स्टैंडिंग डबल्स स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन किया और ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत दमदार अंदाज में की।

मानव सुथार ने काउंटी डिविजन वन में 7 विकेट लिएः वारविकशायर ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया

रॉब येट्स ने जड़ा शतक

विश्व केसरी ■

इंग्लैंड। इंग्लैंड के साउथैंप्टन में काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन-1 के मुकाबले में भारतीय स्पिनर मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी की। वारविकशायर की ओर से खेल रहे सुथार ने हैम्पशायर की दोनों पारियों में कुल 7 विकेट लिए। उनकी टीम ने हैम्पशायर को पारी और 129 रन से हराया।

हैम्पशायर ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, वारविकशायर ने पहली पारी में बनाए 398 रन

मुकाबले की शुरुआत में हैम्पशायर के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, वारविकशायर के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। वारविकशायर ने अपनी पहली पारी में मजबूत बल्लेबाजी करते हुए 398 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वारविकशायर की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉब येट्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने 208 गेंदों का सामना करते हुए 13 चौके और 1 छक्के की मदद से 109 रन बनाए। उनके अलावा सैम हेन ने 90 रन, डैन मौसली ने 77 रन और काय स्मिथ ने 51 रन का अहम योगदान दिया। हैम्पशायर की ओर से गेंदबाजी करते हुए काइल एबोट ने पहली पारी में सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

हली पारी में 115 रन पर सिमटी हैम्पशायर, मानव ने लिए 3 विकेट

398 रनों के जवाब में उतरी हैम्पशायर की पहली पारी भारतीय स्पिनर मानव सुथार और वारविकशायर के तेज गेंदबाजों के सामने ढह गई। पूरी टीम पहली पारी में महज 115 रनों पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर के लिए टोबी एल्बर्ट ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए।

वारविकशायर के लिए पहली पारी में मानव सुतार ने बेहद किफायती और खतरनाक गेंदबाजी करते हुए 16 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके साथी गेंदबाज इथान बांबर और ओलिवर हानन ने भी शानदार साथ निभाते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए।

283 रन की लीड मिलने पर मिला फॉलोऑन, दूसरी पारी में मानव ने चटकाए 4 विकेट

पहली पारी के आधार पर वारविकशायर को 283 रनों की विशाल बढ़त मिली, जिसके बाद उन्होंने हैम्पशायर को फॉलोऑन खेलने के लिए मैदान पर उतारा। दूसरी पारी में भी हैम्पशायर के बल्लेबाज भारतीय स्पिनर के सामने असहाय नजर आए। हैम्पशायर की पूरी टीम दूसरी पारी में केवल 154 रन बनाकर सिमट गई।

लंदन स्क्वैश क्लासिकः अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की शिवसांगरी से हारीं

विश्व केसरी■

लंदन। भारत की अनाहत सिंह का लंदन स्क्वैश क्लासिक में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। मलेशिया की तीसरी सीड शिवसांगरी सुब्रमण्यम ने अनाहत को हराया।

मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत मुकाबले की शुरुआत से ही खुद को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। शिवसांगरी ने रैलियों को नियंत्रित किया और लगातार अनाहत को कोर्ट के पीछे धकेलते हुए सिर्फ 17 मिनट में 11-4, 11-4 से जीत हासिल की।

इस नतीजे के साथ यूएसडी 144,000 पीएसए गोल्ड इवेंट में अनाहत का सफर खत्म हो गया। भारतीय खिलाड़ी ने आठवीं सीड वाली बेल्जियम की नेले गिलिस को तीन गेम के कड़े मुकाबले में हराकर आखिरी आठ में जगह बनाई थी। लंदन स्क्वैश क्लासिक की पूर्व चैंपियन शिवसांगरी अब सेमीफाइनल में दूसरी सीड वाली मिस्र की अमीना ओरफी से भिड़ेंगी। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ओरफी, मलेशियाई खिलाड़ी का इंतजार कर रही हैं।

शिवसांगरी ने भारतीय युवा खिलाड़ी पर अपनी आसान जीत का क्रेडिट अपने टैक्टिकल अप्रोच और इंटेंसिटी बनाए रखने की क्षमता को दिया। मलेशियाई खिलाड़ी ने स्क्वैशटीवी से कहा, 'मैं आज अपने खेल से खुश हूं। अनाहत बहुत प्रतिभावान खिलाड़ी है।

एएचएफ जूनियर एशिया कपः भारतीय टीम ने इंडोनेशिया को 14-0 से हराया

विश्व केसरी ■

मोकी। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब के बचाव की शानदार शुरुआत की। भारतीय टीम ने शनिवार को पूल ए के मुकाबले में इंडोनेशिया को 14-0 से हराया। कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 12 गोल किए।

प्रभदीप सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने पांच बार गोल करके 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कप्तान अनमोल ने चार गोल किए और यादव ने तीन गोल किया। हरपाल और आशु मौर्य ने बाकी दो गोल किए।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज बताया। भारतीय टीम बार-बार इंडोनेशियाई सर्कल में घुसी और गोल के मौके बनाए। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, जिसके बाद हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। इंडोनेशिया को भारतीय आक्रमण की रफ्तार और मूवमेंट का सामना करने में मुश्किल हुई। पहला क्वार्टर में भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने दूसरे क्वार्टर में भी मौके बनाए। अनमोल ने 16वें मिनट में गोल किया जब इंडोनेशियाई डिफेंस को पेनल्टी स्ट्रोक से पेनल्टी मिली। यादव ने चार मिनट बाद एक और गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। फिर प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 6-0 की बड़ी बढ़त के साथ हाफ-टाइम तक पहुंचाया।

ब्रेक के बाद इंडोनेशिया को राहत नहीं मिली, क्योंकि भारत ने दबदबा बनाए रखा। अनमोल सेट-पीस से खास तौर पर असरदार रहे, उन्होंने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपने स्कोर में दो और गोल जोड़े। तीसरा क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने फिर से गोल किया, जिससे स्कोर 9-0 हो गया।

आखिरी क्वार्टर मैच का सबसे फायदेमंद समय साबित हुआ क्योंकि भारत ने पांच और गोल किया।

अनमोल ने 51वें मिनट में अपने चार गोल पूरे किए, इससे एक मिनट बाद प्रभदीप ने फिर गोल करके मैच का अपना पांचवां गोल किया।

यूएस ओपनः नवारो, टाउनसेंड, पेगुला, नोस्कोवा चौथे राउंड में पहुंची

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। एम्मा नवारो ने यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को हरा दिया। वहीं, टेलर टाउनसेंड लगातार दूसरे साल चौथे राउंड में पहुंचीं।

नवारो ने अपनी पहली मुलाकात में सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ नवारो ने चौथे राउंड में जगह बना ली है।

छठी सीड लिंडा नोस्कोवा ने भी मुश्किल चुनौती का सामना किया। उन्होंने कोर्ट 17 पर अमेरिका की 29वीं सीड एन ली को 6-2, 6-7(6), 6-2 से हराया। 6-2, 3-0 की बढ़त के बाद नोस्कोवा पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं, लेकिन ली ने जबरदस्त वापसी करते हुए निर्णायक सेट में जगह बना ली। अमेरिकी खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में फोरहैंड विनर से मैच पॉइंट भी बचाया और फिर मुकाबला बराबर कर दिया। नोस्कोवा ने तब नियंत्रण हासिल किया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, और तीसरे सेट के आखिरी चार गेम जीत लिए। टेलर टाउनसेंड ने 15वीं सीड डायना श्नाइडर को 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-7(3), 6-3 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पहला सेट सिर्फ 30 मिनट में जीतने के बाद वह आसानी से जीत की ओर बढ़ती दिखीं। लेकिन, श्नैडर ने दूसरे सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी की और आखिरकार अपने सातवें सेट पॉइंट पर एक डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया।

अमेरिकन खिलाड़ी ने जोरदार जवाब दिया, आखिरी तीन गेम जीतकर एक और चौथे राउंड में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 एरिना सबालेंका से होगा।

तीसरी सीड जेसिका पेगुला भी एक मुश्किल दौर से उबरीं, उन्होंने एक खराब शुरुआती सेट से उबरते हुए 31वीं सीड लेयला फर्नांडीज को 2 घंटे 11 मिनट में 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस नतीजे से पेगुला की टूर्नामेंट को दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी के तौर पर खत्म करने की उम्मीदें जिंदा हैं। हालांकि यह कामयाबी हासिल करने के लिए उन्हें अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतना होगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415